जनता के गोठ

Website- https://www.jantakegoth.com

● वर्ष -01 ● अंक- 293 ● रायपुर, शनिवार 10 अक्टूबर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ- 12 ● मूल्य- 2 रुपया ● संपादक- शुभम वर्मा ● PRGI Reg No : CTBIL/25/A1787

57 मेट्रो स्टेशन बंद, मेल और एक्सप्रेस ट्रेनें रद्द

कॉकरोच प्रदर्शन को लेकर आज 'दिल्ली में किलेबंदी'

दिल्ली में 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रस्तावित प्रदर्शन को देखते हुए यातायात व्यवस्था को लेकर कई तरह की जानकारियां सामने आ रही हैं। प्रदर्शन के दौरान नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों के आसपास भारी ट्रैफिक्र जाम की आशंका जताई गई है। दिए गए कंटेंट के मुताबिक, रेलवे ने 10 अक्टूबर को सुबह 4 बजे से दोपहर 2 बजे तक इन दोनों स्टेशनों पर आने वाली सभी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द करने का आदेश दिया है। वहीं, डीएमआरसी के सभी स्टेशनों को 9 अक्टूबर की रात 9 बजे से बंद करने और स्थिति सामान्य होने तक बंद रखने की बात कही गई है। 9 अक्टूबर को जारी रेलवे के आदेश के मुताबिक, शुक्रवार दोपहर 2 बजे के बाद अपने शुरुआती स्टेशनों से रवाना होने वाली और शनिवार सुबह 4 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच नई दिल्ली या हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पहुंचने वाली सभी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों को उनके शुरुआती स्टेशनों से ही रद्द कर दिया जाएगा। रेलवे के कोचिंग निदेशालय की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों के आसपास के इलाकों में भारी ट्रैफिक्र जाम की आशंका को देखते हुए ट्रेनों को रद्द करने का फैसला लिया गया है। यह निर्णय मुख्य चुनाव आयुक्तके खिलाफ प्रस्तावित विरोध प्रदर्शनों के बीच आया है। हालांकि, रेलवे अधिकारियों ने अब तक यह पुष्टि नहीं की है कि ट्रेनों को रद्द करने का फैसला इन प्रदर्शनों से सीधे तौर पर जुड़ा है या नहीं। डीएमआरसी की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, 10

अक्टूबर को जंतर-मंतर और नई दिल्ली के अन्य स्थानों पर प्रस्तावित प्रदर्शनों के दौरान संवेदनशील जगहों पर भीड़ बेकाबू होने की आशंका जताई गई है। इसे देखते हुए मेट्रो सेवाओं और स्टेशनों पर प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है। आदेश में मेट्रो ट्रेनों की आवाजाही कम करने के साथ ही 9 अक्टूबर की रात 9 बजे से स्टेशनों के प्रवेश और निकास द्वार बंद करने का उल्लेख है। छ्स्न्क्रष्ट के मुताबिक, ये गेट 10 अक्टूबर को स्थिति सामान्य होने तक बंद रहेंगे। दिल्ली में 10 अक्टूबर को प्रस्तावित प्रदर्शन के मद्देनजर 57 मेट्रो स्टेशन बंद। हालांकि, सूची में सेंट्रल दिल्ली, नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली, पूर्वी दिल्ली और उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के कई प्रमुख मेट्रो स्टेशन शामिल हैं। ऐसे में यात्रियों को सलाह दी जाती है कि घर से निकलने से पहले छ्स्न्क्रष्ट की आधिकारिक सूचना या संबंधित स्टेशन की स्थिति की पुष्टि कर लें। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 10 अक्टूबर को कॉकरोच जनता पार्टी और छात्र संगठनों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। सीजेपी का कहना है कि अनुमति नहीं मिलने के बावजूद पार्टी प्रदर्शन करेगी। पार्टी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं पर सवाल उठाए हैं। साथ ही, उसने आंदोलन को शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित करने की बात कही है।

सीजेपी का ऐलान, होकर रहेगा प्रदर्शन

इधर कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके, को-कन्वीनर आशुतोष रांका और सौरव दास ने यह ऐलान किया है कि 10 अक्टूबर को ज्ञानेश खिलाफके खिलाफप्रदर्शन होकर रहेगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त को खुद पर लगे गंभीर आरोपों की जवाबदेही देनी होगी। अगर पुलिस या जवान प्रदर्शनकारियों को रोकेंगे, तो वो जहां भी रोकेंगे वहां एक जंतर-मंतर बन जाएगा। अभिजीत दीपके ने सरकार को चेतवानी देने के लहजे में यह भी कहा था कि सत्ता आपकी हो सकती है, लेकिन सड़कें आज भी हमारी हैं। इस देश की जनता की हैं। देश के नागरिकों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने से कोई नहीं रोक सकता।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर भारत में 15 अक्टूबर तक बारिश के आसार, उत्तर-पूर्वी मानसून के आगमन की तैयारी

नई दिल्ली। देश की मौसम प्रणाली इन दिनों बदलाव के दौर से गुजर रही है। दक्षिण-पश्चिम मानसून अपनी वापसी के अंतिम चरण में है, जबकि दक्षिणी प्रायद्वीप में अधिकांश बारिश लाने वाला उत्तर-पूर्वी मानसून दस्तक देने की तैयारी में है। इस बीच पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 15 अक्टूबर तक उत्तर भारत के कई हिस्सों में बारिश होने का अनुमान है। पहाड़ी क्षेत्रों के साथ उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में भी इसका प्रभाव देखने को मिल सकता है। आने वाले दिनों में पंजाब, हरियाणा और उत्तरी राजस्थान के कुछ हिस्सों में बारिश की संभावना है। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में 10 अक्टूबर से बारिश का दौर शुरू होने का अनुमान है। उत्तर प्रदेश और बिहार में, विशेषकर तराई क्षेत्र तथा पूर्वी जिलों में अच्छी बारिश हो सकती है।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर बेंगलुरु में प्रदर्शन

बेंगलुरु। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में अभिनेता एवं नेता प्रकाश राज, सोशल मीडिया प्रभावक ध्रुव राठी समेत कई लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने चुनाव प्रक्रिया में सुधार और मतदाता सूची से जुड़े विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को समाप्त करने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान प्रकाश राज ने कहा कि नेता पांच साल में केवल एक बार मतदाताओं के पास आते हैं और उस समय उनसे वोट मांगते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अब लोगों को अपने ही मताधिकार के लिए नेताओं के कार्यालयों के सामने भीख मांगने जैसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने 'एक देश, एक चुनाव' के विचार पर सवाल उठाते हुए इसे महज एक नारा बताया।

विपक्ष के विरोध के बीच चुनाव आयोग के समर्थन में उतरे 42 पूर्व न्यायाधीश

नई दिल्ली। चुनाव में गड़बड़ी और मतदाता सूचियों में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे विपक्ष पर 42 पूर्व न्यायाधीशों ने नाराजगी जताई है। पूर्व न्यायाधीशों ने गुरुवार को एक खुला पत्र जारी कर चुनाव आयोग का समर्थन किया और विपक्ष की ओर से लगाए जा रहे आरोपों पर चिंता व्यक्त करते हुए देश की चुनाव प्रक्रिया का बचाव किया। यह खुला पत्र ऐसे समय में सामने आया है, जब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष का विरोध और प्रदर्शन तेज हो रहा है। पूर्व न्यायाधीशों ने अपने पत्र में कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में संस्थानों की आलोचना करना नागरिकों का अधिकार है।

छत्तीसगढ़ आईपीएस को दिल्ली का कमान

संतोष सिंह ने संभाला दिल्ली मेट्रो की सुरक्षा की कमान...

नई दिल्ली। वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत छत्तीसगढ़ के आईपीएस संतोष सिंह को दिल्ली मेट्रो (डीएमआरसी) में सीआईएसएफ के डीआईजी के रूप में पदस्थ कर इसकी सुरक्षा की कमान सौंपी गई है। 2011 बैच के आईपीएस अधिकारी संतोष सिंह को उनके सुरक्षा प्रबंधन के अनुभव और प्रशासनिक दक्षता के चलते दिल्ली की लाइफलाइन कहे जाने वाले दिल्ली मेट्रो लाईनों और यात्रियों की सुरक्षा संभालने का दायित्व दिया गया है। उल्लेखनीय है कि प्रतिष्ठित दिल्ली मेट्रो 271 स्टेशन वाली एक त्वरित परिवहन प्रणाली है, जो भारत के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में दिल्ली और उससे सटे यूपी व हरियाणा के शहरों को जोड़ती है। हाल में ही 17 सितंबर को दिल्ली मेट्रो ने एक दिन में करीब 82.45 लाख यात्रियों की आवाजाही दर्ज करके एक रिकॉर्ड बनाया है।

असम के गुवाहाटी में रायजोर दल के सदस्य असम सचिवालय के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए। वे शिवसागर, चराइदेव और जोरहाट जिलों में विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए मुआवज़े की मांग कर रहे थे।

काला हिरण फिल्म मामले में

सलमान को नोटिस जारी चार सप्ताह में होगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने अभिनेता सलमान खान को फिल्म 'काला हिरण: द बैटल फॉर लेगेसी' के निर्माता की याचिका पर नोटिस जारी किया है। निर्माता ने सलमान खान द्वारा फिल्म पर प्रतिबंध लगाने के लिए दायर याचिका को क्षेत्रीय क्षेत्राधिकार के अभाव में वापस करने की मांग की है।न्यायमूर्ति अनुप जयराम भंभानी की पीठ ने इस मामले की सुनवाई करते हुए सलमान खान को चार सप्ताह के अंदर अपना जवाब दाखिल करने का समय दिया है। मामले की अगली सुनवाई 16 दिसंबर को निर्धारित की गई है। फिल्म के निर्माता अमित जानी ने अपनी याचिका में तर्क दिया है कि सलमान खान द्वारा दायर याचिका में क्षेत्रीय क्षेत्राधिकार का अभाव है। उन्होंने कहा कि अभिनेता पहले से ही व्यक्तित्व अधिकारों से संबंधित एक अन्य मुकदमे में इसी फिल्म को लेकर राहत मांग चुके हैं।

भारतीय पायलट स्मित मछार को इजरायल का सलाम

मिलेगा सर्वोच्च वीरता सम्मान राष्ट्रपति इसाक ने किया ऐलान

नई दिल्ली/ एजेंसी

फ्लाईदुबई की उड़ान के दौरान अपनी सूझबूझ और अदम्य साहस से एक बड़ी त्रासदी को टालने वाले भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मछार को इजरायल सरकार एक बड़े सम्मान से नवाजेगी। इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हर्ज़ोग ने उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक वीरता पुरस्कार से सम्मानित करने की आधिकारिक घोषणा की है। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट में हुई एक खतरनाक घटना के दौरान भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मछार ने अपनी जान की परवाह न करते हुए विमान और उसमें सवार यात्रियों की रक्षा की थी।इतिहास जानें उनकी इस बहादुरी ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है, जिसके बाद अब इजरायल सरकार ने उन्हें अपने सर्वोच्च नागरिक वीरता पुरस्कार से सम्मानित करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हर्ज़ोग ने भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मछार को देश के सर्वोच्च नागरिक वीरता पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की है। यह विशेष पुरस्कार 7 अक्टूबर 2023 के बाद शुरू किया गया था, जो ऐसे असाधारण नागरिकों को दिया जाता है जो दूसरों की जान बचाने के लिए अत्यधिक साहस और सर्वोच्च बलिदान की भावना दिखाते हैं। घटना के दौरान जब विमान में गंभीर संकट पैदा हुआ और जानलेवा हालात बने, तब कैप्टन स्मित मछार ने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी अद्भुत धैर्य और व्यावसायिक कुशलता का परिचय दिया।

राहुल-प्रियंका समेत कई नेताओं पर नई प्राथमिकी, सरकारी काम में बाधा और पुलिस कर्मियों से झड़प का आरोप

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी समेत कई नेताओं के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन को लेकर नई प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान सरकारी काम में बाधा डालने और पुलिसकर्मियों के साथ कथित तौर पर मारपीट करने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस मामले में लगाए गए आरोपों और इसमें शामिल लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और इंडिया गठबंधन के कई सांसद एवं नेता जंतर-मंतर की ओर प्रदर्शन के लिए जा रहे थे। पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया।

दिल्ली प्रदर्शन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

सब कुछ ठप नहीं कर सकते है मेट्रो पाबंदियों पर पुनर्विचार करें

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली में शनिवार को प्रस्तावित कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन से पहले लगाए गए सुरक्षा प्रतिबंधों पर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कदम उठाना जरूरी है, लेकिन इसके नाम पर राजधानी में सब कुछ ठप नहीं किया जा सकता। मेट्रो स्टेशनों को बंद करने और ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित होने से आम यात्रियों को होने वाली परेशानी पर भी अदालत ने चिंता जताई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने अधिकारियों से कहा कि उन मेट्रो स्टेशनों की संख्या कम करने पर विचार किया जाए, जिन्हें बंद रखने का प्रस्ताव है। कोर्ट ने सड़कों पर लगाए गए प्रतिबंधों की भी समीक्षा करने और यह आकलन करने का निर्देश दिया कि किन इलाकों में पाबंदियां जरूरी हैं और कहां इनमें ढील दी जा सकती है। यह सुनवाई सीपीएम महासचिव एमए बेबी की ओर से दाखिल याचिका पर हुई। याचिका में मेट्रो स्टेशन बंद करने और ट्रेनों को रद्द किए जाने के खिलाफ राहत मांगी गई है। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर सार्वजनिक परिवहन को बाधित करने से आम लोगों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों के जवाब में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वह सरकार से

आरोपी एम्स का सिक्योरिटी गार्ड गिरफ्तार

मोहल्ले में खेल रही तीन साल की मासूम बेटी के साथ किया दुष्कर्म..

रायपुर। संवाददाता

राजधानी रायपुर में तीन साल की मासूम बच्ची के साथ यौन शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि मोहल्ले में खेल रही बच्ची को आरोपी ने अपनी हवस का शिकार बनाया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए देर रात करीब 2 बजे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूरा मामला आमानाका थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक पीड़ित बच्ची के साथ यौन शोषण की शिकायत सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी परमानंद ध्रुव को गिरफ्तार किया। बताया जा रहा है कि आरोपी एम्स अस्पताल में सिक्योरिटी गार्ड का काम करता है। पुलिस ने आरोपी के

खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मामले से जुड़ी जानकारी के अनुसार, कथित घटना गुरुवार रात करीब 11 बजे की बताई जा रही है। आरोप है कि घटना एम्स परिसर से कुछ दूरी पर स्थित उस किराए के मकान में हुई, जहां पीड़ित बच्ची अपने परिवार के साथ रहती है। मामले को लेकर अमित जोगी ने हस्तक्षेप करते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने एम्स के डायरेक्टर से मुलाकात करने और पुलिस कमिश्नर से बातचीत करने का दावा किया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है। अमित जोगी की ओर से मांग की गई है कि मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज कर आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और भारतीय न्याय संहिता के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाए। साथ ही आरोपी की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई गई है। इसके अलावा पीड़ित बच्ची को मुफ्त और बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने, उसकी उचित देखभाल तथा मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग की व्यवस्था करने पर जोर दिया गया है। निजी सिक्योरिटी एजेंसी की जवाबदेही तय करने की मांग भी की गई है, ताकि सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े पहलुओं की जांच हो सके। बता दें कि घटना को लेकर एफआईआर दर्ज नहीं किए जाने का आरोप लगाते हुए जेसीसीजे नेता अमित

कांग्रेस नेता के खिलाफ हुई एफआईआर,विवाहिता के साथ किया अनाचार और धमकी देने का आरोप

आरंग. रायपुर में कांग्रेस नेता उपेन्द्र भारती के खिलाफमहिला से दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है. पीड़ित की शिकायत पर मंदिर हसौद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है. मामला दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है. जानकारी के मुताबिक, मामला ग्राम बकतरा का है, जहां कांग्रेस के मंडल प्रभारी उपेंद्र भारती पर पड़ोस में रहने वाली महिला ने गंभीर आरोप लगाए हैं. पिछले कई महीनों से देर रात उसके घर में घुसकर जबरन शारीरिक संबंध बनाता था. विरोध करने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देता था. महिला ने पुलिस को बताया कि उसका पति रोजी मजदूरी के लिए जिले से बाहर रहता है. आरोप लगाया कि आरोपी द्वारा कथित रूप से जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए जाने के कारण उससे बच्चे हुए, लेकिन अब आरोपी उन्हें अपनाने से इनकार कर रहा है. इस पूरे घटनाक्रम के कारण उसका शिकायत पत्र में यह भी आरोप लगाया गया कि कांग्रेस नेता पीड़िता को गांव की अन्य महिलाओं के साथ किए गए अपने कथित व्यवहार का हवाला देकर डराता था कि अगर उसने मुंह खोला तो उसका अंजाम भी बुरा होगा. डर से गांव के लोग भी उसके खिलाफबोलने से कतराते हैं. पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफभारतीय न्याय संहिता की धारा 64(2), 115(2) और 351(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है. आरोपी की पतासाजी में पुलिस जुटी हुई है. पुलिस की टीम लगातार संभावित ठिकानों और उसके निवास पर दबिश दे रही है.

राष्ट्रीय सहकारी सम्मेलन के बाद अधिकारियों ने किया जलप्रपात का भ्रमण, बस्तर की लोक संस्कृति और इको-टूरिज्म की संभावनाओं की सराहना

चित्रकौट की प्राकृतिक छटा और गौर नृत्य ने मोहा देशभर से आए सहकारिता अधिकारियों का मन

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ

जगदलपुर, । बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध जनजातीय संस्कृति और पारंपरिक लोककलाओं ने देशभर से आए सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का मन मोह लिया। जगदलपुर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सहकारी सम्मेलन के समापन के बाद विभिन्न राज्यों से पहुंचे अधिकारियों एवं विषय-विशेषज्ञों के दल ने विश्वप्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात का भ्रमण किया। यहां स्थानीय जनजातीय कलाकारों ने पारंपरिक गौर नृत्य प्रस्तुत कर अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया

चित्रकोट जलप्रपात पहुंचने पर कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा में मांदरी और ढोल की थाप पर गौर नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी। सिर पर गौर के सींगों से सजे मुकुट और कौड़ियों की मालाओं से सुसज्जित नर्तकों की लयबद्ध प्रस्तुति ने अधिकारियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कई प्रतिनिधियों ने इस लोकनृत्य को अपने मोबाइल और कैमरों में कैद किया तथा कलाकारों का उत्साहवर्धन किया

इंद्रावती नदी पर स्थित चित्रकोट जलप्रपात की ऊंचाई से गिरती जलधारा और आसपास की हरियाली ने आगंतुकों को खासा प्रभावित किया। अधिकारियों ने विभिन्न व्यू-पॉइंट्स से जलप्रपात और आसपास की प्राकृतिक छटा का अवलोकन किया। उन्होंने बस्तर को प्राकृतिक संपदा, जनजातीय परंपराओं और पारिस्थितिक पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र बताया

भ्रमण के दौरान स्थानीय वनोपज, लोककला और इको-टूरिज्म को सहकारी संस्थाओं के माध्यम से राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने कहा कि सहकारिता के जरिए स्थानीय समुदायों को आर्थिक अवसर उपलब्ध कराने और क्षेत्रीय संसाधनों को बेहतर बाजार दिलाने की दिशा में काम किया जा सकता है।

इस अवसर पर भारत सरकार के सहकारिता सचिव डॉ. आशीष भूटानी, छत्तीसगढ़ शासन के सहकारिता सचिव सीआर प्रसन्ना, कमिश्नर डोमन सिंह, सहकारी संस्थाओं के पंजीयक रमेश शर्मा, कलेक्टर आकाश छिकारा सहित केंद्र एवं विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी तथा सहकारी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बस्तर के प्राकृतिक वैभव, लोकसंस्कृति और स्थानीय लोगों के आतिथ्य से अभिभूत अधिकारियों ने इस भ्रमण को यादगार अनुभव बताया।

धान खरीदी से पहले सक्रिय हुई विधायक शकुन्तला सिंह पोर्ते, किसानों को स्थानीय केंद्र पर सुविधा दिलाने पर जोर

रोहित यादव / प्रतापपुर (जनता के गोठ) आगामी खरीफ सीजन में धान खरीदी की तैयारियों के बीच प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक शकुन्तला सिंह पोर्ते ने ग्राम पंचायत रेवटी में प्रस्तावित धान खरीदी केंद्र का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि किसानों को अपनी उपज बेचने के दौरान किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए और उनकी सुविधा सुनिश्चित करना प्राथमिकता है।

निरीक्षण के दौरान विधायक ने अधिकारिया को निर्देश दिए कि धान खरीदी शुरू होने से पहले केंद्र पर सभी जरूरी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली जाएं। उन्होंने बारदाने की उपलब्धता, धान की सही तौल, किसानों के लिए छांव, शुद्ध पेयजल और केंद्र तक पहुंच मार्ग जैसी बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए अनावश्यक परेशानी या मानसिक तनाव का सामना न करना पड़े। विधायक के निरीक्षण और निर्देशों के बाद रेवटी तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में धान खरीदी केंद्र की तैयारियों को लेकर उम्मीद बढ़ी है। क्षेत्र की 10 ग्राम पंचायतों के सरपंचों और जनप्रतिनिधियों ने विधायक शकुन्तला सिंह पोर्ते से मुलाकात कर किसानों की ओर से आभार व्यक्त किया और धन्यवाद दिया। स्थानीय स्तर पर धान खरीदी केंद्र की व्यवस्था होने से आसपास के गांवों के किसानों को दूर स्थित मंडियों तक जाने की जरूरत कम हो सकती है। इससे समय और परिवहन खर्च बचने के साथ धान बिक्री की प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक होने की उम्मीद है।

34 भैंसों की तस्करी में कथित मास्टरमाइंड गिरफ्तार, रघुनाथनगर पुलिस का शिकंजा

बलरामपुर (जनता के गोठ) : बलरामपुर जिले में पशु तस्करी के खिलाफ पुलिस के विशेष अभियान के बीच रघुनाथनगर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। ग्राम केसारी से 34 भैंस और भैंसों को अवैध रूप से उत्तर प्रदेश ले जाने के मामले में पुलिस ने कथित मुख्य आरोपी जितेंद्र जायसवाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी स्थानीय स्तर पर मवेशियों की खरीद और सप्लाई करने में अहम भूमिका निभाता था। उसके खिलाफ पशु तस्करी से जुड़े तीन अन्य मामले भी पहले से दर्ज हैं। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है।

गश्त के दौरान मिली सूचना, 34 मवेशी जब्त

पुलिस के मुताबिक, 16 सितंबर 2026 को थाना रघुनाथनगर की टीम ग्राम भ्रमण और गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ लोग ग्राम केसारी से मवेशियों को पैदल अवैध रूप से उत्तर प्रदेश ले जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने गांव में घेराबंदी की। पुलिस को देखकर आरोपियों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन मौके से दीपक सोनवानी (24), निवासी ग्राम केसारी को गिरफ्तार कर लिया गया। कार्रवाई में 34 भैंस और भैंसों को जब्त किया गया, जबकि अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।

मुखबिर की सूचना पर कथित मुख्य आरोपी गिरफ्तार

फरार आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। इसी दौरान मिली सूचना के आधार पर 8 अक्टूबर 2026 को जितेंद्र जायसवाल (34), पिता हुकूमचंद जायसवाल, निवासी ग्राम केसारी को हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार, मामले में पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

स्थानीय किसानों से खरीद, जंगलों में छिपाकर सप्लाई का आरोप

पुलिस के अनुसार, जितेंद्र जायसवाल पशु तस्करी के नेटवर्क में स्थानीय एजेंट और सप्लायर की भूमिका निभाता था। आरोप है कि वह गांवों और किसानों से कम कीमत पर मवेशी खरीदकर एकत्र करता था और जंगलों में छिपाकर उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजने की व्यवस्था करता था। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

तीन पुराने मामले भी दर्ज

पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ थाना रघुनाथनगर में पशु तस्करी से संबंधित तीन अन्य मामले दर्ज हैं। इनमें अपराध क्रमांक 26/2026, 127/2021 और 124/2025 शामिल हैं। इन मामलों में छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम, 2004 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। वर्ष 2026 के मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 111(1) का भी उल्लेख है।

कन्हर बैरियर पर आधी रात खुली दस्तावेजों की गड़बड़ी, साल लट्ठा लदा ट्रक जब्त

बलरामपुर (जनता के गोठ) : अंतर्राज्यीय कन्हर बैरियर पर आधी रात वन विभाग की जांच में 19 नग साल लट्ठा लदा ट्रक पकड़ में आया। 7 अक्टूबर की रात करीब एक बजे वाहन जांच के दौरान ट्रक क्रमांक सीजी 15 डीजी 1682 को रोका गया। लकड़ी के परिवहन से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल में ऐसा अंतर सामने आया कि वन विभाग ने लकड़ी समेत पूरे ट्रक को जब्त कर लिया।

वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, वनमंडलाधिकारी आलोक कुमार बाजपेयी के निर्देशन, उपवनमंडलाधिकारी अनिल कुमार सिंह पैकरा के मार्गदर्शन तथा वन परिक्षेत्राधिकारी रामानुजगंज डॉ. दिलरुबा एक्का बानो के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

जांच के दौरान ट्रक में 19 नग साल लट्ठा लदा मिला। चालक सलीम अंसारी, निवासी भागलपुर, बिहार से लकड़ी के परिवहन का अनुज्ञा पत्र मांगा गया। इसके बाद प्रस्तुत दस्तावेजों का ऑनलाइन राष्ट्रीय पारगमन अनुज्ञा प्रणाली में उपलब्ध अभिलेखों से मिलान किया गया। जांच में दोनों अनुज्ञा पत्र अलग-अलग पाए गए। दस्तावेजों में अंतर मिलने के बाद वन विभाग ने ट्रक को जब्त कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी।

इन धाराओं के तहत कार्रवाई

मामले में भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 33(1)(ड) एवं 52, छत्तीसगढ़ वन उपज एवं व्यापार (विनियमन) अधिनियम, 1969 की धारा 5(1) तथा छत्तीसगढ़ वनोपज अभिवहन नियम, 2001 के नियम 41(3) के तहत कार्रवाई की जा रही है।

अब जांच में उठेंगे अहम सवाल

परिवहन अनुज्ञा पत्रों में अंतर मिलने के बाद मामले की जांच महत्वपूर्ण हो गई है। लकड़ी कहां से लोड की गई थी, उसे कहां ले जाया जा रहा था और दस्तावेजों में अंतर कैसे आया—इन बिंदुओं की जांच से मामले की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल वन विभाग ने ट्रक जब्त कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

बस्तर में आदिवासी इतिहास और पहचान के संरक्षण में सरकार विफलः लक्ष्मण बघेल

कहा—विकास के साथ आदिवासी संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और स्थानीय समाज की भावनाओं का सम्मान भी जरूरी*

बकावंड जनता के गोठ। बस्तर की पहचान यहां की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत, पारंपरिक व्यवस्थाओं और संघर्षों से जुड़ी हुई है। लेकिन सार्वजनिक स्थलों एवं ऐतिहासिक पहचान से जुड़े नामों में बदलाव को लेकर उठ रहे सवालों ने एक बार फिर आदिवासी इतिहास और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की आवश्यकता को सामने ला दिया है। इसी मुद्दे पर लक्ष्मण बघेल ने शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि बस्तर में आदिवासी इतिहास और पहचान के संरक्षण को लेकर सरकार गंभीरता और संवेदनशीलता दिखाने में विफल रही है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में मुरिया दरबार का नाम बदलकर आम दरबार किए जाने और इसके बाद माड़िया चौक का नाम बदलकर 'विकसित भारत चौक' रखने के प्रस्ताव को लेकर आदिवासी समाज में नाराजगी सामने आई। माड़िया चौक के नाम को लेकर विरोध के बाद प्रशासन द्वारा नाम यथावत रखने का निर्णय लिए जाने की बात कही गई है। इन घटनाओं ने यह सवाल खड़ा किया है कि बस्तर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान से जुड़े निर्णय लेते समय स्थानीय आदिवासी समाज की भावनाओं और विचारों को कितना महत्व दिया जा रहा है।

विकास का विरोध नहीं, पहचान और अधिकारों का सम्मान जरूरी

लक्ष्मण बघेल ने कहा कि बस्तर का आदिवासी समाज विकास का विरोधी नहीं है। समाज चाहता है कि क्षेत्र में बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, रोजगार और बुनियादी ढांचे का विस्तार हो, लेकिन विकास की प्रक्रिया में यहां की संस्कृति, इतिहास, परंपराओं और स्थानीय लोगों के अधिकारों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि बस्तर में बेहतर अस्पतालों के साथ पर्याप्त चिकित्सकों और स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। इसी तरह विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पर्याप्त शिक्षकों और बेहतर शैक्षणिक वातावरण पर ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो सके।

उन्होंने आगे कहा कि बस्तर के युवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराना समय की मांग है। युवाओं को रोजगार के लिए दूसरे क्षेत्रों में पलायन करने के लिए मजबूर न होना पड़े, इसके लिए स्थानीय संसाधनों और संभावनाओं के अनुरूप रोजगार के अवसर विकसित किए जाने चाहिए। सड़क, भवन और अन्य बुनियादी सुविधाओं के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार को भी विकास की प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा।

चौक-चौराहों के नाम केवल शब्द नहीं, इतिहास की पहचान हैं बघेल ने कहा कि किसी क्षेत्र के चौक-चौराहों, सार्वजनिक स्थलों और ऐतिहासिक स्थानों के नाम केवल पहचान के साधन नहीं होते, बल्कि वे उस क्षेत्र के इतिहास, संस्कृति और सामूहिक स्मृतियों को भी जीवित रखते हैं। बस्तर में माड़िया, मुरिया और अन्य आदिवासी समुदायों से जुड़ी ऐतिहासिक पहचान को संरक्षित करना सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक महत्व वाले स्थलों के नाम बदलने से संबंधित निर्णय लेने से पहले स्थानीय समुदायों से संवाद किया जाना चाहिए।

रामानुजगंज की वन वाटिका को मिलेगी नई पहचान, 1.49 करोड़ से बनेगा ईको पर्यटन केंद्र

बाल वाटिका, जल वाटिका से लेकर नौका विहार और ओपन जिम तक की सुविधाएं

बलरामपुर (जनता के गोठ) : रामानुजगंज की वन वाटिका अब सिर्फ हरियाली तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसे प्रकृति, स्वास्थ्य और मनोरंजन के आकर्षक केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने वन वाटिका में 1 करोड़ 49 लाख रुपये की लागत से प्रस्तावित ईको पर्यटन विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस परियोजना के पूरा होने के बाद शहरवासियों और पर्यटकों को प्रकृति के बीच मनोरंजन और सुकून के नए विकल्प मिलने की उम्मीद है।

बाल वाटिका, जल वाटिका और सौंदर्य वाटिका से बढ़ेगा आकर्षण

वन वाटिका को बाल वाटिका, जल वाटिका और सौंदर्य वाटिका के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां नौका विहार, पैडल बोट, ओपन जिम और चिल्ड्रन पार्क जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। इन सुविधाओं के जरिए बच्चों, युवाओं, परिवारों और प्रकृति प्रेमियों को एक ही परिसर में मनोरंजन और स्वास्थ्य गतिविधियों का अवसर मिलेगा।

शहर के लिए बनेगा हरियाली और सुकून का केंद्र

ईको पर्यटन विकास का उद्देश्य वन वाटिका को व्यवस्थित और आकर्षक स्वरूप देना है। जैव विविधता के संरक्षण के साथ प्राकृतिक वातावरण को पर्यटन से जोड़ने की पहल की जा रही है। शहर के लोगों को घूमने-फिरने, व्यायाम करने और परिवार के साथ समय बिताने के लिए बेहतर स्थान मिल सकेगा।

पर्यटन के साथ स्थानीय रोजगार पर भी नजर परियोजना से रामानुजगंज में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। वन वाटिका के विकसित होने से क्षेत्र की प्राकृतिक पहचान को मजबूत करने के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिल सकता है।

कॉलेज से महज 100 मीटर दूर शराब दुकान! छात्राओं की सुरक्षा पर उठे सवाल

अभाविप ने दी आंदोलन की चेतावनी

ओड़गी (जनता के गोठ) : शासकीय नवीन महाविद्यालय ओड़गी के करीब अंग्रेजी शराब दुकान खोलने को लेकर विरोध शुरू हो गया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की ओड़गी इकाई ने महाविद्यालय के आसपास शराब दुकान के संचालन पर रोक लगाने की मांग करते हुए तहसीलदार के नाम ज्ञापन सौंपा है। परिषद ने छात्र-छात्राओं, विशेषकर छात्राओं की सुरक्षा और महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण पर चिंता जताते हुए प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। साथ ही सात दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं होने पर चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी दी है।

150 छात्राओं की सुरक्षा को लेकर चिंता

अभाविप के अनुसार, महाविद्यालय में लगभग 150 छात्राएं अध्ययनरत हैं और प्रस्तावित अंग्रेजी शराब दुकान कॉलेज से करीब 100 से 150 मीटर की दूरी पर है। परिषद का कहना है कि शिक्षण संस्थान के इतने नजदीक शराब दुकान का संचालन होने से विद्यार्थियों के आवागमन और शैक्षणिक माहौल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। शराब के नशे में गाली-गलौज, छेड़छाड़ और अन्य अप्रिय घटनाओं की आशंका जताते हुए परिषद ने छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। परिषद ने कहा कि महाविद्यालय विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण का केंद्र है। यहां ऐसा वातावरण होना चाहिए, जहां छात्र-छात्राएं बिना किसी भय और असुविधा के पढ़ाई कर सकें। ऐसे में कॉलेज के आसपास सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

सात दिन में कार्रवाई नहीं तो आंदोलन

नगर मंत्री सेन्टु गुप्ता के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में प्रशासन से प्रस्तावित शराब दुकान के संचालन पर रोक लगाने के लिए मामले की जांच कर उचित निर्णय लेने की मांग की गई है। अभाविप ने स्पष्ट किया कि यदि सात दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं की गई, तो परिषद चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगी।

नगर मंत्री सेन्टु गुप्ता ने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा और शिक्षा के अनुकूल वातावरण से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मामले की गंभीरता को देखते हुए आवश्यक कदम उठाने की मांग की।

प्रशासन के फैसले पर टिकी नजरें

महाविद्यालय के समीप शराब दुकान के संचालन को लेकर अभाविप के विरोध के बाद अब प्रशासन की कार्रवाई पर नजरें टिकी हैं। परिषद ने विद्यार्थियों के हितों को प्राथमिकता देते हुए जल्द निर्णय लेने की मांग की है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान शांतनु काशी, प्रियम, अंकुश देवांगन, जिगर मिश्रा, पवन सिंह सहित अभाविप के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केंद्रीय जेल दुर्ग में कविता , पाठसाहित्य और कविता के माध्यम से बंदियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का सराहनीय प्रयास।

अंचल वर्मा - दुर्ग, उतई। जनता के गोठ।

दुर्ग - लोककला दर्पण मंच के तत्वावधान में केंद्रीय जेल दुर्ग में महान साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की 90वीं पुण्यतिथि के अवसर पर विशेष काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य साहित्य और कविता के माध्यम से जेल में निरुद्ध बंदियों में सकारात्मक सोच, मानवीय मूल्यों तथा सामाजिक चेतना का विकास करना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में दुर्ग-भिलाई के प्रतिष्ठित कवियों, शायरों एवं कवयित्रियों ने अपनी रचनाओं, ग़ज़लों, हास्य-व्यंग्य और प्रेरणादायी कविताओं से उपस्थित बंदियों एवं पुलिसकर्मियों का मन मोह लिया। प्रत्येक प्रस्तुति पर तालियों की गड़गड़ाहट से जेल परिसर गूँज उठा। कार्यक्रम की विशेष उपलब्धि यह रही कि बंदियों को भी अपनी भावनाएँ और जीवन के अनुभव कविता के माध्यम से व्यक्त करने का अवसर मिला।

बंदी भगतराम एवं हरिश्चंद्र ने अपनी रचनाओं के माध्यम से जीवन के अनुभव साझा किए और अपने साथी बंदियों को सकारात्मक संदेश दिया। काव्य गोष्ठी में शहर के प्रसिद्ध शायर नवेद रज़ा दुर्गवी ने प्रभावशाली मंच संचालन करते हुए देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता, आपसी सद्भाव और मानवीय मूल्यों से ओतप्रोत ग़ज़लें प्रस्तुत कीं। उनकी प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को प्रभावित किया। हाजी रियाज़ खाँ गौहर ने देशभक्ति से ओतप्रोत शायरी प्रस्तुत कर राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत की। ग़ज़लकार सुशील कुमार यादव ने जीवन के संघर्ष, समय की परिस्थितियों और मानवीय संबंधों पर आधारित रचनाओं से श्रोताओं को भावविभोर किया। डॉ. नौशाद सिद्दीकी ने नशामुक्ति का संदेश देते हुए नशे से दूर रहने तथा जीवन को बेहतर बनाने की प्रेरणा दी। कवयित्री श्रीमती सीमा अष्टमी साहू ने माँ के त्याग, प्रेम और ममता पर आधारित भावपूर्ण कविता प्रस्तुत की। वहीं, भिलाई की पार्षद एवं कवयित्री नोमिन साहू ने महिलाओं को जागरूक होने, अपनी क्षमताओं को पहचानने और समाज में अग्रणी भूमिका निभाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में महिला जेल की प्रभारी सहायक जेल अधीक्षक रश्मि चौधरी एवं विधि अधिकारी ईशु देशमुख की विशेष उपस्थिति रही। महिला बंदियों ने भी गीत, कविता, भजन-कीर्तन और नृत्य के माध्यम से उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। इससे कार्यक्रम में सांस्कृतिक और उल्लासपूर्ण वातावरण निर्मित हुआ।इस आयोजन की विशेष बात यह रही कि शायर नवेद रज़ा दुर्गवी एवं कवयित्री सीमा अष्टमी साहू के नेतृत्व में बंदियों के बीच साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने का यह एक सराहनीय प्रयास रहा। बंदियों ने कार्यक्रम की प्रस्तुतियों की प्रशंसा की और इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस पहल से यह संदेश मिला कि साहित्य और कला के माध्यम से बंदियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित किया जा सकता है तथा उनके भीतर सकारात्मक परिवर्तन की भावना जागृत की जा सकती है।

आयोजन के सूत्रधार कैलाश जैन बरमेचा, मनमोहन शर्मा एवं गौसेवा के अध्यक्ष विजय अग्रवाल ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं प्रतिभागियों ने इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजन जारी रखने की इच्छा व्यक्त की।

अमृत मिशन पर भ्रष्टाचार का आरोप : महापौर बोले...जिसने मां का दूध पिया, करा ले जांच, कांग्रेसियों का वॉकआउट

निगम सामान्य सभा में जमकर हंगामा, कांग्रेसियों ने कहा महापौर की भाषा अमर्यादित

सदन में नहीं लौटे कांग्रेसी पार्षद, 8 विषयों को बहुमत के आधार पर पास किया गया

राजनांदगांव। नगर निगम में गुरूवार को सामान्य सभा की बैठक हुई, यहां आठ विषयों पर चर्चा क्रमवार होनी थी। कुछ समय ही बीता था कि सदन में अमृत मिशन योजना को लेकर कांग्रेसियों ने हंगामा मचाना शुरू कर दिया। इस पर भाजपाईयों ने भी अपनी बात रखनी शुरू की, दोनों पक्षों के बीच जमकर तू-तू-मैं- मैं हुआ। इसी बीच कांग्रेसियों ने महापौर मधुसूदन यादव पर अमृत मिशन में भ्रष्टाचार करने का आरोप लगा दिया, सदन का माहौल गरमा गया। इसके बाद सभी को शांत कराया गया और महापौर अपनी बात कहने खड़े हुए। इस दौरान भी कांग्रेसियों ने मिशन के कामकाज को लेकर सवाल उठाए। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे थे। तभी महापौर यादव ने कहा कि जिस किसी माई के लाल में दम है और उसने दूध पिया है तो मामले की जांच करा ले। इतना ही कहना था कि कांग्रेसियों और रोष में आ गए। कांग्रेसियों ने महापौर से माफी मांगने की बात कही और सदन से वॉकआउट कर दिया। नगर निगम नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने कहा कि महापौर की यह भाषा ठीक नहीं है, सदन में महिलाएं भी है। उनके समक्ष इस तरह की भाषा का उपयोग करना निंदनीय है। इसके लिए महापौर को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। इस महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि वे माफी नहीं मांगेगे, कांग्रेसियों ने सदन में सामने आकर काफी हंगामा किया। महिला पार्षदों के साथ दुर्व्यवहार किया, मैं उसकी निंदा करता हूं। कांग्रेसियों को ऐसा कृतय नहीं करना चाहिए।

भाजपा पार्षद ने समस्या बताई, तब हुई पूरी शुरूआत

ब्राम्हणपारा वार्ड की महिला पार्षद मणिभास्कर गुप्ता ने सदन में बोलना शुरू किया। उन्होंने कहा कि काफी समय से उनके वार्ड में गंदे पानी की सप्लाई हो रही हैं, इससे नागरिकों को समस्या हो रही है। इस बात को कांग्रेसी पार्षदों ने पकड़ लिया और सीधे अमृत मिशन योजना पर सवाल उठाए और महापौर और भाजपा के शासनकाल पर इसका ठिकरा फोड़ दिया। इसके बाद दोनों ही ओर से जमकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला।

बहुमत के आधार पर सभी विषयों को किया पास

महापौर के वक्तव्य को लेकर वॉकआउट करने वाले कांग्रेसी पार्षद माफी मांगने पर ही अड़े रहे। इसके चलते वे सदन में नहीं लौटे। इधर सदन की कार्रवाई जारी रही और सभी विषयों को सदन में रखकर बहुमत के आधार पर पास कर दिया गया। इस पर महापौर ने कहा कि विकास की बात करने वालों को सदन छोड़कर नहीं जाना चाहिए, कोई बात उन्हें ठीक नहीं लगी तो उसका विरोध करते, प्रावधानों के तहत निंदा प्रस्ताव ला लेते। लेकिन उन्होंने सदन को छोड़कर भागना ठीक समझा।

ग्राम पंचायत अंजोरा में हुआ आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण के ग्राम पंचायत अंजोरा के अटल समरसता भवन में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण एवं विधायक ललित चंद्राकर रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम माँ सरस्वती की वंदना से किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक कुमार पांडेय ने कहा कि आंगन मिलन सेवा का मुख्य उद्देश्य शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। महिला बाल विकास विभाग की नींव हमारी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका मितानिन का सम्मान तथा स्वास्थ्य जांच टीकाकरण पौष्टिक थाली न्योता भोज खिलौना बैंक के माध्यम से आंगनबाड़ी को सक्षम बनाना है। विधायक चंद्राकर ने कहा कि जब एक गर्भवती माता स्वस्थ होगी तो आने वाली पीढ़ी स्वस्थ होगी। गोदभराई एवं अन्नप्राशन संस्कार को सरकार ने पोषण अभियान से जोड़कर मातृशक्ति सम्मान बना दिया है।

सामाजिक भवन के लिए 15 लाख रुपये की स्वीकृति पर परिक्षेत्र सतनामी समाज मोतीपुर ने सांसद का जताया आभार

अमलेश्वर। परिक्षेत्र सतनामी समाज उत्तर पाटन मोतीपुर के अध्यक्ष दिलीप टंडन के नेतृत्व में समाज के प्रतिनिधिमंडल ने दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल से मुलाकात कर परिक्षेत्र सतनामी समाज मोतीपुर के लिए सामाजिक भवन निर्माण हेतु 15 लाख रुपये की राशि स्वीकृत किए जाने पर आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि परिक्षेत्र में सर्वसुविधायुक्त सामाजिक भवन बनने से समाज की विभिन्न सामाजिक गतिविधियों को गति मिलेगी।

साथ ही सामाजिक एकरूपता और आपसी समन्वय को बढ़ावा मिलेगा। इस भवन के निर्माण से परिक्षेत्र के लगभग 31 गांवों के लिए एक केंद्रीय सामाजिक केंद्र उपलब्ध होगा, जहां विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम, बैठकें एवं अन्य गतिविधियां आयोजित की जा सकेंगी। प्रतिनिधिमंडल ने सांसद विजय बघेल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामाजिक भवन की स्वीकृति समाज के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे आने वाले समय में समाज को संगठित होकर सामाजिक एवं रचनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर परिक्षेत्र सतनामी समाज मोतीपुर के अध्यक्ष दिलीप टंडन, राजेश बघेल, उत्तरा सोनवानी, संजय सोनवानी, राजेंद्र देशलहरे, राजकुमार बघेल, पन्ना लाल बंजारे, रामसेवक खूंटेल, अहेन्द्र चेलक, चेतन माण्डले, गोविंद जांगड़े, कुलेश्वर गायकवाड़, प्रकाश देशलहरे, नरेंद्र गायकवाड़, रामकुमार बांधे सहित समाज के अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्राम उरला में रंगोली प्रतियोगिता और नुक्क ड़ नाटक का आयोजन

विद्यार्थियों ने रंगोली और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया सेवा, संस्कार और सामाजिक जागरूकता का संदेश

चरोदा। नगर निगम भिलाई-चरोदा के ग्राम उरला स्थित विद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा और प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से सेवा, जनजागरूकता और सामाजिक सहभागिता का संदेश दिया। रंगोली प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभिन्न सामाजिक विषयों को रंगों और कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुत किया। वहीं नुक्कड़ नाटक के जरिए विद्यार्थियों ने समाज में जागरूकता, जिम्मेदारी और सेवा भावना के महत्व को प्रभावी ढंग से सामने रखा। बच्चों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमुदाय का ध्यान आकर्षित किया और उन्हें सामाजिक सरोकारों से जुड़ने का संदेश दिया।

विद्यार्थियों से बोले मंडल अध्यक्ष– आप ही देश के भविष्य के राष्ट्र निर्माता-कार्यक्रम के दौरान चरोदा मंडल अध्यक्ष ए. गौरीशंकर जी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ÷आप ही देश के भविष्य के राष्ट्र निर्माता हैं। जीवन में बड़े पद और सफलता प्राप्त करना महत्वपूर्ण है, लेकिन उसके साथ अच्छे संस्कार, चरित्र और समाज व राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का भाव होना उससे भी अधिक जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन, संस्कार, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रहित की भावना को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ताओं ने भी किया विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन- कार्यक्रम में मुख्य वक्ता खिलावन साहू जी एवं तरुण परगनिहा जी ने भी विद्यार्थियों तथा उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित किया। उन्होंने सेवा भावना और सामाजिक सहभागिता को मजबूत बनाने में युवाओं एवं विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला तथा बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों की सराहना की। विद्यालय परिवार और कार्यकर्ताओं की रही सहभागिता- इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण, विद्यार्थी, उपस्थित जनसमुदाय एवं कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मंडल महामंत्री राजेश मौर्या जी, वेद प्रकाश पाण्डेय जी एवं सुमित शर्मा जी सहित अनेक कार्यकर्ता एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना, सेवा भावना और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना रहा। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से यह संदेश दिया कि समाज में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत छोटी-छोटी जिम्मेदारियों और सेवा भाव से ही होती है। ÷सेवा से संस्कार, संस्कार से सशक्त समाज और सशक्त समाज से मजबूत राष्ट्र।÷

वृक्षारोपण के लिए प्रस्तावित भूमि पर अवैध मुरूम खनन का आरोप, सरपंच ने एसडीएम से की कार्रवाई की मांग

पाटन। पाटन ब्लॉक के उत्तर पाटन क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत करगा-गभरा में अवैध मुरूम खनन का मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत करगा के आश्रित ग्राम गभरा में बारिश के बाद कथित रूप से अवैध मुरूम खनन शुरू होने की शिकायत सामने आई है। मामले को लेकर ग्राम पंचायत सरपंच कमलेश ठाकुर ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन के नाम ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। सरपंच के अनुसार, गभरा में वृक्षारोपण के लिए प्रस्तावित भूमि से कथित रूप से अवैध तरीके से मुरूम निकाली जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि खनन का कार्य रात करीब 11 बजे के बाद शुरू होकर देर रात तक चलता है। यहां से निकाली जा रही मुरूम में पत्थर एवं पीली मिट्टी होने के कारण इसे भवन निर्माण में उपयोगी बताया जा रहा है। इस मुरूम का उपयोग उत्तर पाटन क्षेत्र में बन रही आवासीय कॉलोनियों और मकानों के निर्माण में किया जा रहा है।

वृक्षारोपण स्थल को नुकसान पहुंचने की चिंता-सरपंच कमलेश ठाकुर ने कहा कि वृक्षारोपण के लिए प्रस्तावित भूमि से मुरूम निकालने से एक ओर शासन को राजस्व की संभावित क्षति हो रही है, वहीं दूसरी ओर भविष्य में वृक्षारोपण के लिए चिन्हित स्थल भी अस्त-व्यस्त हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से मामले की जांच कर अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाने तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

गभरा में मुरूम भंडारण की भी शिकायत-ग्रामीणों के अनुसार, विगत महीने से गभरा क्षेत्र में कई स्थानों पर मुरूम के कथित अवैध भंडारण की स्थिति भी देखी गई है, जिनमें से कुछ स्थानों पर अभी भी मुरूम रखी होने की बात कही जा रही है। इसके अलावा अमेरी मेन रोड पर भी अवैध रूप से मुरूम भंडारण का मामला सामने आने की जानकारी मिली थी। प्रशासनिक स्तर पर इस मामले में प्रकरण दर्ज किए जाने की बात भी बताई गई है। फिलहाल ग्राम पंचायत सरपंच ने वृक्षारोपण के लिए प्रस्तावित भूमि से कथित रूप से मुरूम निकाले जाने और उसके परिवहन पर रोक लगाने के लिए एसडीएम को प्रतिवेदन सौंपा है। अब प्रशासन द्वारा मामले की जांच के बाद क्या कार्रवाई की जाती है, यह देखने वाली बात होगी। वहीं, वृक्षारोपण के लिए प्रस्तावित भूमि की स्थिति को लेकर सरपंच और ग्रामीणों में नाराजगी बताई जा रही है।

भिलाई इस्पात संयंत्र में 'वार्षिक पुरस्कार वितरण एवं राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह' का आयोजन

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के संपर्क व प्रशासन, राजभाषा विभाग द्वारा 7 अक्टूबर 2026 को भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन विकास केंद्र के प्रथम तल स्थित सभागार में 'वार्षिक पुरस्कार वितरण एवं राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन), भिलाई इस्पात संयंत्र अजय कुमार चक्रबर्ती थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में संयंत्र के कार्यपालक निदेशकगण उपस्थित थे। इस अवसर पर संयंत्र के विभाग प्रमुखगण एवं उच्चाधिकारीगण, विभागीय हिंदी समन्वय अधिकारीगण, राजभाषा पखवाड़ा की विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेतागण एवं निर्णायकगण तथा बड़ी संख्या में हिंदी प्रेमी कार्मिकगण उपस्थित थे। सर्वप्रथम राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के गायन के उपरांत मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथिगण का स्वागत महाप्रबंधक प्रभारी (संपर्क, प्रशासन एवं जनसंपर्क) अमूल्य प्रियदर्शी द्वारा पुस्तक भेंट कर किया गया। इसके पश्चात उप महाप्रबंधक (संपर्क व प्रशासन एवं प्रभारी राजभाषा) राघवेन्द्र कुमार गर्ग द्वारा स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने संयंत्र में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करने हेतु मुख्य अतिथि एवं उच्चाधिकारीगण के प्रति आभार व्यक्त किया। पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं का स्वागत करते हुए उन्होंने पुरस्कार विजेताओं से हिंदी के प्रचार एवं प्रोत्साहन में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि एवं कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन), भिलाई इस्पात संयंत्र अजय कुमार चक्रबर्ती द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि हिंदी भाषी क्षेत्र के निवासी होने के नाते हमारे समस्त सूचनाएँ एवं संदेश हिंदी में ही प्रसारित किए जाते हैं। इसी प्रकार हमें यह प्रयास करना चाहिए कि कार्यालयीन संवाद एवं पत्राचार में भी हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग किया जाए। राजभाषा पखवाड़ा के समापन समारोह के अवसर पर उन्होंने भिलाई बिरादरी का आह्वान किया कि हिंदी को अपने कार्यालयीन कामकाज की भाषा के रूप में अधिक से अधिक प्रयोग में लाकर अपने राष्ट्रीय दायित्व की पूर्ति करें। उन्होंने दृढ़ता पूर्वक कहा कि राजभाषा नीतियों के कार्यान्वयन एवं अनुपालन की दिशा में हमें निरंतर अग्रणी रहना है। वार्षिक पुरस्कार वितरण के क्रम में अपने-अपने विभागों एवं अंचलों में हिंदी में कामकाज को प्रोत्साहित करने के लिए 'राजभाषा उन्नायक सम्मान' प्रदान किए गए। यह सम्मान कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीन निगम, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एम एंड यू) बिजय कुमार बेहेरा, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएँ) प्रवीन राय भल्ला, मुख्य महाप्रबंधक (प्रबंधन सेवाएँ) रविशंकर, मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-3) त्रिभुवन बैठा एवं मुख्य महाप्रबंधक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. उदय कुमार धाबर्डे को प्रदान किए गए।

शहर कांग्रेस और ग्रामीण कांग्रेस ने किया प्रदर्शन, चुनाव आयोग- केंद्र सरकार को कोसा

वोट बचाओ-देश बचाओ पर पैदल मार्च, चुनाव आयुक्त का फूंका पुतला, जमकर की नारेबाजी

पुराना बस स्टैंड और कलेक्टोरेट पहुंचे कांग्रेसी, पुलिस भी बड़ी संख्या में रही मौजूद

राजनांदगांव। वोट चोरी के मामले को लेकर कांग्रेस लगातार प्रदर्शन कर रही है। शहर कांग्रेस और ग्रामीण कांग्रेस के द्वारा प्रदर्शन किया गया। कांग्रेसियों ने वोट बचाओ-देशा बचाओ अभियान के चहत पैदल मार्च निकाला और पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया।

शहर कांग्रेस कमेटी ने पुराना बस स्टैंड स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास मार्च करते हुए पहुंचे। यहां संविधान के अनुच्छेदों का वाचन किया गया और उसके बाद पुतला जलाया गया। इसी तरह ग्राम जिला कांग्रेस कमेटी ने कलेक्टोरेट पहुंचकर प्रदर्शन कर पुतला दहन किया। वोट चोरी को लेकर कांग्रेसियों ने कहा कि कई राज्यों में ऐसा काम कर बीजेपी ने चुनाव परिणामों को अपने पक्ष में किया। शुरू से ही राहुल गांधी इस मामले में सदन में उठाते आ रहे हैं और आज दस्तावेजों के साथ पूरी प्रमाणित तथ्य सामने आ रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भी कार्रवाई होनी चाहिए, क्योंकि उन्होंने भाजपा के कहने पर नियमों को ताक में रखकर ऐसा काम किया, उनका निलंबन होना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान शहर अध्यख जितेंद्र मुदलियार, ग्रामीण अध्यक्ष विपिन यादव, विधायक हर्षिता बघेल, श्रीकिशन खंडेलवाल, रूबी गरचा, मेहुल मारू, राजिक सोलंकी, अभिमन्यू मिश्रा, निश्चय बुराड़े व अन्य कांग्रेसी मौजूद रहे।

पुलिस ने पुतला दहन करने से रोका

पुराना बस स्टैंड में वाचन और राष्ट्रगान के बाद कांग्रेसियों ने पुतला दहन किया, इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल भी मौजूद था। पुलिस जवानों ने भी भरसक प्रयास किया कि पुतला दहन न करने दिया जाए। लेकिन कांग्रेसी भी पूरी तैयारी के साथ आए थे। चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए उन्होंने पुतला फूंका।

वोट चोरी कर भाजपा को फायदा पहुंचाने का काम किया गया : मुदलियार

कांग्रेस के आला नेता काफी समय से कह रहे हैं कि वोट चोरी कर भाजपा कई प्रदेशों में जीत हासिल कर रही है। चुनाव आयोग की भूमिका भी पूरी तरह से संदिग्ध है। लेकिन अब दस्तावेजों के साथ यह सच सामने आ चुका है। अब चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने नियमों के खिलाफजाकर भाजपा को फायदा पहुंचाने का काम किया है, जब तक इंसाफनहीं मिलता, तब तक कांग्रेस प्रदर्शन करेगी। आज भी पैदल मार्च निकालकर पुतला दहन किया गया।

- जितेंद्र मुदलियार, अध्यक्ष शहर कांग्रेस

बाढ़ पीड़ितों की सहायता पहुंचाया - हायर सेकेंडरी भगत सिंह ने

जगदलपुर। मानव सेवा ही परमेश्वर सेवा है, जरूरतमंद की सेवा ही सच्चा पुरुषार्थ है, इस बात को चरितार्थ करते हुए हायर सेकेंडरी स्कूल भगत सिंह में प्राचार्य विनीता बेंजामिन के कुशल निर्देशन में बाढ़ पीड़ित छात्र-छात्राओं को, जिनका सब कुछ बाढ़ में बह गया, उनको बैग, यूनिफॉर्म, कॉपी-पुस्तक, पेन का वितरण जिला शिक्षा अधिकारी बलीराम बघेल के हाथों प्रदान किया। सर्वाधिक पीड़ित ग्राम डोंगाघाट, आमागुड़ा, बासमुंडा, पथरागुड़ा, चिमनी भट्टी, कुम्हड़ा कोट, आमागुड़ा के थे। यह सहायता पुअर बॉयज फंड की राशि से की गई। इस अवसर पर शाला के सारे शिक्षकगण उपस्थित थे।

संपादकीय

भारत के जल प्रबंधन मॉडल से दुनिया ने ले सकती है सीख

वैश्विक जलप्रबंधन के क्षेत्र में भारत का प्रभाव काफी बढ़ा है। वह कभी एक ऐसा देश था, जिसे बार-बार जलवायु संकट के झटकों का सामना करना पड़ता था, जहां पानी तक पहुंच एक बड़ी चुनौती थी।हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित 'भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह' के नौवें संस्करण का केंद्रीय विषय जलवायु-अनुकूल जल प्रबंधन था। इस दौरान चर्चा में दो बातों पर जोर दिया गया कि भारत ने पिछले एक दशक में क्या हासिल किया है और उससे आगे क्या करना है। आगे की राह का मतलब पानी की आपूर्ति को सतत बनाए रखना, पानी का अधिक कुशलता से उपयोग करना, और इस्तेमाल हो चुके पानी यानी प्रयुक्त जल को पर्यावरण और अर्थव्यवस्था के लिए एक संसाधन की तरह देखना है। वैश्विक जलप्रबंधन के क्षेत्र में भारत का प्रभाव काफी बढ़ा है। वह कभी एक ऐसा देश था, जिसे बार-बार जलवायु संकट के झटकों का सामना करना पड़ता था, जहां पानी तक पहुंच एक बड़ी चुनौती थी। मगर आज वह बाढ़ और सूखे जैसी चरम जलवायु घटनाओं से निपटने में अधिक सक्षम है। भारतीय अनुभव में वैश्विक दक्षिण के दूसरे देशों के लिए सीख मौजूद है कि कैसे जल सुरक्षा की दिशा में बड़े कदम उठाए जा सकते हैं।पिछले करीब एक दशक में भारत ने जल प्रबंधन को लेकर दुनिया के कुछ सबसे बड़े कार्यक्रमों को बनाया और लागू किया है। इनका मकसद जल प्रबंधन को बेहतर बनाना, नदियों को पुनर्जीवित करना, पानी एवं स्वच्छता के उपायों तक पहुंच बढ़ाना और सामुदायिक अगुवाई में पानी को बचाना, सुरक्षित रखना और उसकी उपलब्धता बढ़ाने वाले कार्यों को सक्षम एवं प्रभावी बनाना है। अगर पीछे मुड़कर देखें, तो इसमें वर्ष 2001 से 2014 के बीच गुजरात में जल प्रबंधन से जुड़ी पहलें महत्त्वपूर्ण रही हैं। यह दौर उन जल प्रबंधन सुधारों की एक प्रयोगशाला जैसा था, जिन्हें वर्ष 2014 के बाद पूरे देश में लागू किया गया। इसमें स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, जल शक्ति अभियान, नमामि गंगे, अटल भूजल योजना और प्रति बूंद अधिक फसल जैसे बड़े जल कार्यक्रमों का कार्यान्वियन शामिल है।पच्चीस साल के इस सफर को एक नए अध्ययन 'फ्राम गुजरात टू इंडिया- वाटर लेसंस फार द वर्ल्ड' में दर्ज किया गया है। यह वर्ष 2001 से 2026 तक गुजरात और भारत के जल प्रबंधन सुधारों का क्रमवार ब्योरा देती है। यह अध्ययन आधिकारिक आंकड़ों, नीति, कार्यक्रमों के दस्तावेजों, शोधों और इस क्षेत्र में काम करने वालों लोगों से बातचीत पर आधारित है। इसमें प्रमुखता से यह तथ्य सामने आया है कि कैसे व्यापक स्तर पर जल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए राजनीतिक नेतृत्व एवं प्राथमिकता, सार्वजनिक वित्तपोषण, संस्थागत सुधार, प्रशासनिक अमल और सामुदायिक भागीदारी ने एकजुट होकर काम किया है।

सेवा के 25 साल... गुजरात मॉडल से विकसित भारत के ड्रीम तक, मोदी का संकल्प

(कुबूल अहमद)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता में 25 साल का सफर पूरा कर लिया है, जिसे भाजपा ने 'जनसेवा' का नाम दिया है. नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर पहली बार सत्ता की बागडोर संभाली थी. 13 साल मुख्यमंत्री रहने के बाद वह पिछले 12 वर्षों से देश के प्रधानमंत्री के तौर पर काम कर रहे हैं. तब से लेकर आज तक भारतीय राजनीति में पीएम मोदी का सफर लगातार चर्चा के केंद्र में रहा है।

साल 2001 से 2014 तक गुजरात के मुख्यमंत्री और उसके बाद देश के प्रधानमंत्री के रूप में अपने 25 वर्षों के लंबे राजनीतिक कार्यकाल में उन्होंने कई ऐसे कठोर, साहसिक और दूरगामी फैसले लिए, जिनसे न केवल उनकी एक मजबूत नेता की छवि गढ़ी बल्कि देश की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दिशा को भी पूरी तरह बदल दिया।

मुख्यमंत्री के रूप में गुजरात से शुरू हुआ नरेंद्र मोदी के सत्ता का सफर प्रधानमंत्री पद तक पहुंच गया. गुजरात के सीएम रहते हुए आर्थिक विकास का उनका गुजरात मॉडल राज्य की कामयाबी में नई इबारत लिखने वाला रहा. प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने दुनिया भर में भारत की साख को और अधिक मजबूत किया है।

नरेंद्र मोदी ने कैसे बदली गुजरात की तस्वीर - गुजरात के भुज में जनवरी 2001 में आए विनाशकारी भूकंप के बाद तत्कालीन सीएम केशुभाई पटेल के गिरते स्वास्थ्य और राजनीतिक परिस्थितियों के बीच पार्टी में नए नेतृत्व की तलाश थी. दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेताओं अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी ने नरेंद्र मोदी को गुजरात की जिम्मेदारी देने का निर्णय किया. 7 अक्टूबर 2001 को उन्होंने गुजरात के 14वें सीएम के तौर पर शपथ ली।

गुजरात का मुख्यमंत्री बनते ही नरेंद्र मोदी के सामने 2001 के विनाशकारी भूकंप से राहत-पुनर्वास और उसके बाद 2002 के दंगों से राज्य को उबारने की चुनौती थी. उन्होंने गुजरात में निवेश लाने और औद्योगिक विकास को रफ्तार देने के लिए कई अहम कदम उठाए।

साल 2003 में नरेंद्र मोदी ने 'वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट' की शुरुआत की।इसके तहत नियमों को आसान बनाकर वैश्विक कंपनियों को गुजरात में आमंत्रित किया गया. टाटा नैनो प्लांट को पश्चिम बंगाल के सिंगूर से लाकर गुजरात के साणंद में स्थापित कराना उनके इसी आक्रामक विकास मॉडल का बड़ा उदाहरण बना।

24 घंटे बिजली सप्लाई और जल संकट से निजात - साल 2003 में शुरू की गई ज्योतिग्राम योजना ने गुजरात के ग्रामीण बुनियादी ढांचे की तस्वीर बदल दी. इस योजना के तहत कृषि और घरेलू बिजली ग्रिड को अलग-अलग किया गया, जिससे गांवों को 24 घंटे बिजली और किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली मिलने लगी. इस फैसले ने न केवल कृषि विकास दर को बढ़ाया बल्कि उनके गुड गवर्नेंस के नैरेटिव को पूरे देश में स्थापित किया। लड़कियों की शिक्षा के लिए कन्या केलावणी और गांवों को कंप्यूटर से जोड़ने के लिए ई-ग्राम विश्व ग्राम योजना लागू कराई।

सूखा प्रभावित गुजरात में जल संकट से निपटने के लिए नरेंद्र मोदी ने नर्मदा नहर नेटवर्क के विस्तार के साथ-साथ चेक डैम निर्माण और माइक्रो-इरिगेशन (सूक्ष्म सिंचाई) पर जोर दिया. हर साल कृषि महोत्सव का आयोजन कर सरकारी अमले को सीधे किसानों के खेतों तक पहुंचाया गया, जिससे गुजरात की कृषि विकास दर दो अंकों में पहुंच गई।

प्रधानमंत्री के रूप में लिए गए ऐतिहासिक फैसले - गुजरात के विकास मॉडल और हिंदुत्व के प्रमुख चेहरे के रूप में उभरे नरेंद्र मोदी को भाजपा ने 2013 में पीएम पद का उम्मीदवार घोषित किया. 2014 में मोदी लहर के बलबूते भाजपा पहली बार अपने पूर्ण बहुमत के दम पर सत्ता में आई। भाजपा ने अकेले 282 सीटें हासिल कीं और 26 मई 2014 को नरेंद्र मोदी देश के 14वें प्रधानमंत्री बने. 2019 और फिर 2024 में जीत दर्ज कर उन्होंने लगातार तीसरी बार सरकार बनाई और जवाहरलाल नेहरू के बाद देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री बने जिन्होंने लगातार तीसरी बार यह पद संभाला।

प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने कई ऐतिहासिक कदम उठाए. अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करना, तीन तलाक की समाप्ति, जनधन योजना, जीएसटी सुधार और आतंकी हमलों के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक तथा एयर स्ट्राइक जैसे कड़े कदम इनमें शामिल हैं।

जनधन खाता, नोटबंदी और जीएसटी का फैसला - साल 2014 में प्रधानमंत्री बनते ही नरेंद्र मोदी ने देश के सबसे बड़े वित्तीय समावेशन अभियान प्रधानमंत्री जनधन योजना का ऐलान किया. इसके तहत करोड़ों गरीबों के बैंक खाते खोले गए. इसे आधार और मोबाइल से जोड़कर सीधे जनता के खातों में सब्सिडी भेजने की व्यवस्था शुरू की गई. इस कदम ने सरकारी योजनाओं से बिचौलियों और भ्रष्टाचार को खत्म करने में क्रांतिकारी भूमिका निभाई।

8 नवंबर 2016 को 500 और 1000 रुपये के पुराने नोटों को बंद करने (नोटबंदी) का फैसला मोदी सरकार के सबसे चर्चा में रहने वाले और साहसिक फैसलों में से एक माना जाता है. काले धन, जाली नोटों और आतंकवाद की फंडिंग पर चोट करने के इरादे से लिए गए इस फैसले ने तत्कालीन समय में भले ही असुविधा पैदा की, लेकिन इसने देश में डिजिटल लेनदेन की एक नई क्रांति की नींव रखी।

देश में लंबे समय से लंबित 'एक राष्ट्र, एक कर' की अवधारणा को साकार करते हुए पीएम मोदी के नेतृत्व में 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू किया गया. देश के जटिल टैक्स ढांचे को सुव्यवस्थित करने और राज्यों के बीच व्यापारिक बाधाओं को दूर करने की दिशा में यह आजादी के बाद का सबसे बड़ा आर्थिक सुधार माना जाता है।

सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक - आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार ने अपनी जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सैन्य रणनीति को नया आयाम दिया. उरी आतंकी हमले (2016) के जवाब में भारतीय सेना ने 28-29 सितंबर 2016 की रात नियंत्रण रेखा पार कर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी लॉन्च पैड्स पर सर्जिकल स्ट्राइक की. इसके बाद पुलवामा आतंकी हमले के जवाब में 26 फरवरी 2019 को भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के बालाकोट में एयर स्ट्राइकज कर आतंकियों के ठिकानों को तबाह कर दिया। इन फैसलों ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति को बदलकर रख दिया और दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत अब सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ केवल रक्षात्मक रहने के बजाय आक्रामक जवाब देने में पूरी तरह सक्षम है।

अनुच्छेद 370, राम मंदिर और सीएए का फैसला - मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में लिया गया यह अब तक का सबसे बड़ा और साहसिक राजनीतिक फैसला माना जाता है. 5 अगस्त 2019 को सरकार ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के प्रमुख प्रावधानों को समाप्त कर दिया और राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) में विभाजित किया. इस फैसले ने घाटी की सियासत और सुरक्षा व्यवस्था का परिदृश्य बदल दिया, जिससे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का एक देश, एक विधान का संकल्प साकार हुआ।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होना और नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू करना मोदी सरकार के वैचारिक एजेंडे के प्रमुख स्तंभ बने. जनवरी 2024 में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह ने देश के सांस्कृतिक और सामाजिक परिदृश्य पर अपनी छाप छोड़ी।

महिला आरक्षण और ईडब्ल्यूएस आरक्षण - मोदी सरकार ने संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाला नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित कराया, जो तीन दशकों से लंबित था. इस फैसले ने भारतीय राजनीति में महिलाओं की विधायी भागीदारी बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर स्थापित किया।

इसी तरह, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षण की मांग लंबे समय से हो रही थी. मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल के अंत में जनवरी 2019 में सामान्य वर्ग के गरीबों के लिए आर्थिक आधार पर 10 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया. इस संविधान संशोधन को संसद से पास कराकर लागू किया गया, जिससे अब आर्थिक रूप से पिछड़े लोग सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण का लाभ उठा रहे हैं।

मुख्यमंत्री के रूप में गुजरात से शुरू हुआ नरेंद्र मोदी का प्रशासनिक सफर आज प्रधानमंत्री के रूप में वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति को मजबूत करने तक पहुंचा है. 25 वर्षों के इस सफर में उनके प्रशासनिक व आर्थिक फैसलों का मुख्य ध्यान कड़े नियंत्रण, राष्ट्रीय सुरक्षा, और बड़े पैमाने पर जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर रहा है. ये फैसले भारतीय राजनीति के इतिहास में हमेशा महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में देखे जाएंगे।

पाकिस्तानियों से ज्यादा लंबी जिंदगी जीते हैं भारतीय, पर बांग्लादेशी ज्यादा जीते हैं

(नीरज कुमार दुबे)

पाकिस्तानियों से लंबी जिंदगी जीते हैं भारतीय, लेकिन बांग्लादेशी उनसे भी आगे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के ताजा आंकड़ों ने दक्षिण एशिया में जीवन-प्रत्याशा की एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने रखी है। वर्ष 2023 में भारत में औसत जीवन-प्रत्याशा 71 वर्ष रही, जबकि पाकिस्तान में यह आंकड़ा महज 68.2 वर्ष था।

पाकिस्तानियों से ज्यादा जीते हैं भारतीय, मगर भारतीयों से भी ज्यादा जीते हैं बांग्लादेशी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के ताजा आंकड़े भारत की जीवन-प्रत्याशा की एक दिलचस्प तस्वीर सामने रखते हैं। वर्ष 2023 में एक भारतीय की औसत जीवन-प्रत्याशा 71 वर्ष रही, जबकि पाकिस्तान में यह 68.2 वर्ष थी। लेकिन बांग्लादेश 72.7 वर्ष के साथ भारत से आगे निकल गया। अमेरिका और कनाडा तो इससे भी काफी आगे हैं। यानी भारत ने पाकिस्तान को पीछे जरूर छोड़ा है, लेकिन लंबी जिंदगी के मामले में अभी बांग्लादेश से भी पिछड़ रहा है। कहानी यहीं खत्म नहीं होती। भारतीयों की बढ़ती उम्र के साथ सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस जिंदगी में स्वस्थ रहने के कितने साल शामिल हैं।

हम आपको बता दें कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के ताजा वैश्विक स्वास्थ्य आकलन ने भारत की सेहत की ऐसी तस्वीर सामने रखी है, जिसमें एक तरफ महामारी के बाद जीवन-प्रत्याशा तेजी से संभली है, तो दूसरी तरफ हृदय रोग, मधुमेह, पक्षाघात और फेफड़ों की पुरानी बीमारियां मौत की सबसे बड़ी वजह बनती जा रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में स्वस्थ जीवन-प्रत्याशा वर्ष 2023 में केवल 60.6 वर्ष रही। यानी औसतन जीवन के अंतिम करीब दस वर्ष किसी न किसी बीमारी, अक्षमता या स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के साथ गुजरने की आशंका बनी रहती है। वर्ष 2019 में यही आंकड़ा 60.5 वर्ष था। महामारी के दौरान यह 2021 में घटकर 58.4 वर्ष रह गया और फिर 2022 में 60.2 तथा 2023 में 60.6 वर्ष तक पहुंचा।

रिपोर्ट के मुताबिक, महामारी के बाद भारत ने जीवन-प्रत्याशा में उल्लेखनीय वापसी की है। वर्ष 2019 में यह 70.5 वर्ष थी, जो 2021 में गिरकर 68.1 वर्ष हो गई। इसके बाद 2022 में यह फिर 70.5 वर्ष और 2023 में 71 वर्ष पहुंच गई। यानी महज दो वर्षों में भारत ने अनुमानित जीवन के 2.9 वर्ष वापस हासिल कर लिए। लेकिन स्वस्थ जीवन-प्रत्याशा की वापसी केवल 2.2 वर्ष रही। यही अंतर भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने सबसे गंभीर चुनौती को उजागर करता है।

बुजुर्गों के मामले में भी तस्वीर कुछ बेहतर हुई है। वर्ष 2023 में 60 वर्ष की उम्र तक पहुंच चुके व्यक्ति के औसतन 18.8 वर्ष और जीने की उम्मीद थी, जबकि 2019 में यह 18.4 वर्ष थी। लेकिन इनमें पूरी तरह स्वस्थ रहने वाले वर्षों की संख्या 13.7 वर्ष ही थी। साफ है कि उम्र बढ़ रही है, मगर स्वस्थ उम्र उतनी तेजी से नहीं बढ़ रही। इसके अलावा, भारत की बीमारियों की तस्वीर भी पिछले दो दशकों में पूरी तरह बदल गई है। वर्ष 2000 में देश में मौत के दस प्रमुख कारणों में संक्रामक बीमारियों की हिस्सेदारी करीब 62 प्रतिशत थी, जबकि गैर-संचारी बीमारियों की हिस्सेदारी 34 प्रतिशत थी। वर्ष 2023 तक तस्वीर उलट गई। गैर-संचारी बीमारियां करीब 75 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ मौत की सबसे बड़ी वजह बन गईं, जबकि संक्रामक बीमारियों की हिस्सेदारी घटकर करीब 16 प्रतिशत रह गई। बाकी हिस्सेदारी चोट और दुर्घटनाओं जैसी वजहों की रही।

बीमारियों की बदलती तस्वीर को मौत के आंकड़ों से आसानी से समझा जा सकता है। वर्ष 2000 में भारत में क्षय रोग और दस्त जैसी संक्रामक बीमारियां मौत की बड़ी वजह थीं। तब प्रति एक लाख आबादी पर क्षय रोग से 92.4 और दस्त से 87.8 मौतें होती थीं। लेकिन वर्ष 2023 तक तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी थी। अब हृदय रोग सबसे बड़ा जानलेवा कारण बन गया, जिससे प्रति एक लाख आबादी पर 138.5 मौतें दर्ज हुईं। इसके बाद फेफड़ों की पुरानी बीमारी से 83.19, पक्षाघात से 74.8 और मधुमेह से 49.01 मौतें प्रति एक लाख आबादी पर हुईं। यानी भारत अब केवल संक्रमण से नहीं, बल्कि दिल, फेफड़ों, मधुमेह और पक्षाघात जैसी लंबी बीमारियों से भी बड़ी जंग लड़ रहा है।

फिर भी संक्रामक बीमारियों को समाप्त मान लेना बड़ी भूल होगी। दस्त, क्षय रोग और निचले श्वसन तंत्र के संक्रमण अब भी भारत में मौत के दस प्रमुख कारणों में शामिल हैं। यानी भारत को एक साथ पुरानी बीमारियों और नई जीवनशैली वाली बीमारियों, दोनों मोर्चों पर लड़ना पड़ रहा है। दूसरी ओर, दुनिया की तस्वीर भी भारत से बहुत अलग नहीं है। वर्ष 2023 में वैश्विक जीवन-प्रत्याशा 73.3 वर्ष पहुंच गई, जो 2019 के 73.4 वर्ष के लगभग बराबर है। लेकिन वैश्विक स्वस्थ जीवन-प्रत्याशा 62.8 वर्ष ही रही, जो 2019 से अब भी 0.4 वर्ष कम है।

बुजुर्गों की अनदेखी और बिखरते पारिवारिक मूल्य

पहली नजर में देखने पर ऐसा लगता है कि ऐसा सोचना सही ही होगा। आखिर समाज और आर्थिकी को चलाने के लिए युवा चाहिए। कोरोना महामारी के समय भी ऐसा बहुत कुछ सुनने को मिला था। किसी भी दल की सरकार हो, वे अपनी जो भी योजनाएं बनाती हैं, वे युवाओं को लक्षित होती हैं। दूसरी ओर, चीन, जापान और यूरोप के बहुत से देश हैं, जहां लोग अब बच्चे नहीं पैदा करना चाहते। कहीं यह सरकारी नीतियों की उपज है, तो कहीं समाज की मानसिकता का बन गया हिस्सा। मगर अब वहां की सरकारें कह रही हैं कि आगे उनका देश कैसे चलेगा, क्योंकि उनके यहां बुजुर्गों की संख्या बढ़ती जा रही है।

(क्षमा त्रिपाठी)

मगर कई लोक कथाएं ऐसी मिलती हैं, जहां जब युवा वर्ग किसी परेशानी में फंसता है, तो बुजुर्ग ही उन्हें उस मुसीबत से निकालते हैं। ये एक तरह से उनके अनुभव के महत्त्व को समझना है।

कुछ दिन पहले कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआइ से जुड़ी एक कंपनी के मालिक ने कहा था कि इन बूढ़ों की बात मत सुनिए। उन्होंने यह कोई नई बात नहीं कही। वृद्ध होते ही समाज आपको एक दयनीय चीज समझता है। कई बार सरकारें भी इस आशय की बात कहती रहती हैं कि वृद्ध लोग अर्थव्यवस्था पर बोझ हैं।

पहली नजर में देखने पर ऐसा लगता है कि ऐसा सोचना सही ही होगा। आखिर समाज और आर्थिकी को चलाने के लिए युवा चाहिए। कोरोना महामारी के समय भी ऐसा बहुत कुछ सुनने को मिला था। किसी भी दल की सरकार हो, वे अपनी जो भी योजनाएं बनाती हैं, वे युवाओं को लक्षित होती हैं।

दूसरी ओर, चीन, जापान और यूरोप के बहुत से देश हैं, जहां लोग अब बच्चे नहीं पैदा करना चाहते। कहीं यह सरकारी नीतियों की उपज है, तो कहीं समाज की मानसिकता का बन गया हिस्सा। मगर अब वहां की सरकारें कह रही हैं कि आगे उनका देश कैसे चलेगा, क्योंकि उनके यहां बुजुर्गों की संख्या बढ़ती जा रही है। उनकी सामाजिक सुरक्षा योजना पर काफी खर्च होता रहा है।

'लोग बुढ़ापे से डरते हैं' - भारत में भी बाल सफेद होते ही स्त्री या पुरुष को वृद्ध के खाते में डाल दिया जाता है। यानी प्रकारांतर से कहा जाता है कि अब समाज को उसकी जरूरत नहीं। 'चित्रलेखा' उपन्यास का वह वाक्य याद आता है, जहां शृंगार करते हुए एक महिला चित्रलेखा से कहती है कि- देवी, सफेद बाल! फिल्म में नायिका को एकाएक शीशे में अपनी शक्ल दांत टूटी हुई, एक अशक्त बुढ़िया के रूप में नजर आने लगती है। यानी लोग बुढ़ापे से डरते हैं।

बुढ़ापा यानी मृत्यु के आसपास होने का अहसास। शायद यही कारण है कि अब चाहे कोई स्त्री हो या पुरुष, बहुत कम लोगों के बाल सफेद नजर आते हैं। सौंदर्य उद्योग ने भी अपने उत्पादों को लोकप्रिय करने के लिए मुहावरा चलाया है- 'एज इज जस्ट ए नंबर', यानी उम्र सिर्फ एक अंक भर है।

जब तक अपने यहां संयुक्त परिवारों का बोलबाला था, तब तक फिर भी घरों में बुजुर्गों की कुछ अहमियत थी। हालांकि तब भी ऐसे मामले होते थे, जब किसी बुजुर्ग को बहुत से परिवार वाले किसी ऐसे स्थान पर छोड़ आते थे, जहां से वे फिर कभी घर न लौट सकें।

'अनुभव उम्र से ही तय होता है' - मगर कई लोक कथाएं ऐसी मिलती हैं, जहां जब युवा वर्ग किसी परेशानी में फंसता है, तो बुजुर्ग ही उन्हें उस मुसीबत से निकालते हैं। ये एक तरह से उनके अनुभव के महत्त्व को समझना है। अनुभव उम्र से ही तय होता है। जन्म लेते ही कोई अनुभवी नहीं हो जाता।

जब से एकल परिवारों का चलन दुनिया भर में बढ़ा है, तब से बुजुर्गों की हालत खराब होती जा रही है। पश्चिम में तो फिर भी सरकारों की तरफ से कुछ योजनाएं उनके लिए हैं। अच्छे वृद्धाश्रम भी हैं, लेकिन अपने यहां ऐसा बहुत कम है। इंटरनेट पर मौजूद वीडियो में अक्सर दिखता है कि कभी बहू, तो कभी बेटा, तो कभी बेटी, वृद्ध माता-पिता के संसाधनों पर कब्जा जमाकर उन्हें वृद्धाश्रमों में छोड़ने की बातें करते हैं।

अपने देश में सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2022 में बुजुर्गों की आबादी 15.3 करोड़ थी। 2050 तक इनकी आबादी 34.7 करोड़ होने का अनुमान है।

इसीलिए मांग की जा रही है कि अब सेवानिवृत्ति की उम्र को बढ़ाया जाए। सेवानिवृत्ति के बाद भी ऐसे काम हों, जिन्हें उम्रदराज लोग कर सकें। उनकी कुछ आय हो जाए और वे बच्चों पर निर्भर न रहें।

'बुजुर्गों के मसले पर बहुत बेमन से सोचा जाता है' - मगर अपने यहां सरकारों की यह सोच नहीं बदली है कि इन दिनों भी बच्चे माता-पिता के साथ रहते होंगे। इसीलिए बुजुर्गों के मसलों पर बहुत बेमन से सोचा जाता है। यहां तक कि बहुत सारी विदेशी कंपनियां भी भारत आकर ऐसा ही सोचती हैं।

इस संदर्भ में बहुत पहले की एक घटना कई लोगों को याद होगी। एक युवा को बहुत बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनी में नौकरी मिली, लेकिन उसे घर के किराए का भत्ता नहीं दिया गया। कारण पूछने पर कंपनी ने कहा कि आप तो अपने माता-पिता के साथ रहते होंगे। कुछ साल पहले एक सर्वेक्षण में बताया गया था कि भारत में तिरसठ फीसद युवा परिवार के साथ नहीं रहना चाहते।

'बुजुर्ग अपने बच्चों की शिकायत तक नहीं करते' - जब से यह बात चली है कि भारत सबसे युवा आबादी वाला देश है, पैंसठ फीसद लोग युवा हैं, तब से शायद ही किसी राजनीतिक पार्टी को हमने बुजुर्गों की इतनी बड़ी आबादी के हितों के बारे में बात करते सुना होगा। इनके वोट तो सभी को चाहिए, लेकिन ये सबसे उपेक्षित नागरिक बना दिए गए हैं। सही है कि कभी-कभार अदालतें जरूर लताड़ लगाती हैं, लेकिन अदालतों तक कितने लोग पहुंच पाते हैं! परिवार की प्रतिष्ठा की खातिर ज्यादातर बुजुर्ग अपने बच्चों की शिकायत तक नहीं करते।

पिछले दिनों एक बेटे ने अपनी मां से मारपीट की। जब पुलिस ने उसे पकड़ा, तो मां ने कहा कि मेरा बेटा तो बहुत अच्छा है। अगर उसने पीटा होता, तो क्या मुझे चोट न लगती? जबकि इस घटना का वीडियो भी उपलब्ध था।

एक ओर कोई बुजुर्ग अपने बेटे को बचाने के लिए इस हद तक चला जाता है कि अपने खिलाफ बेटे की हिंसा और अपमान को भी नजरअंदाज करता है, दूसरी ओर बेटा अपने स्वार्थ में पिता के प्रति न्यूनतम संवेदना भी नहीं रख पाता। सवाल है कि जहां बुजुर्गों को ऐसे दुराग्रहों के बीच जीवन गुजारना पड़ रहा हो, वहां एक संवेदनशील समाज का हिस्सा होने पर हम कैसे खुश हो लें!

ईरान पर फिर हमले करने की योजना में अमेरिका

सेना को तैयार रहने का दिया निर्देश

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू करने के बारे में कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है, लेकिन पेंटागन को नए हमलों की संभावना के लिए तैयारी करने का निर्देश दिया गया है। एक्सियोस ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार पेंटागन ने कुछ दिन पहले अमेरिकी सेंट्रल कमांड को ईरान में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू करने की तैयारी पूरी करने का निर्देश दिया था। इस निर्देश में हमले शुरू करने के लिए कोई निश्चित तारीख तय नहीं की गई थी।

अमेरिका और इजराइल के अधिकारियों ने एक्सियोस को बताया कि नए सिरे से सैन्य कार्रवाई 3 नवंबर को होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनावों से पहले और संभवतः इजराइल में होने वाले चुनावों से पहले भी हो सकती है, जो एक हफ्ते पहले होने की उम्मीद है। सूत्रों के हवाले से एक्सियोस ने बताया कि अगर बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू होती है तो इसमें ईरान के ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और परमाणु ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले शामिल होने की उम्मीद है। पेंटागन के एक अधिकारी ने एक्सियोस से कहा, विभाग का काम राष्ट्रपति के सामने सैन्य विकल्प तैयार करना और उन्हें पेश करना है।

व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि ट्रंप के पास किसी भी समय सभी विकल्प मौजूद हैं। अधिकारी ने कहा, अमेरिका बहुत मजबूत स्थिति में है; होर्मुज जलडमरूमध्य पर उसका नियंत्रण है और ईरान की अर्थव्यवस्था ढह रही है। ईरान बुरी तरह प्रभावित हुआ है और अब चीजें दो में से किसी एक रास्ते पर आगे बढ़ेंगी- आसान रास्ता या मुश्किल रास्ता। राष्ट्रपति ट्रंप के पास सभी विकल्प हैं और

वह वही करेंगे जो अमेरिका के लिए सबसे अच्छा होगा।

एक्सियोस ने द अटलांटिक की उस रिपोर्ट का भी जिक्र किया जिसमें कहा गया है कि ट्रंप अमेरिकी मध्यावधि चुनावों से पहले ईरान पर हमले पर विचार कर रहे हैं। एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप की राष्ट्रीय सुरक्षा टीम ने शुक्रवार को कैंप डेविड में कई घंटों तक बैठक की जिसमें युद्ध और अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। इजराइल के एक अधिकारी ने बताया कि बैठक का एक हिस्सा ईरान में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू करने की संभावना पर केंद्रित था। बैठक के बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि बैठक दीर्घकालिक विदेश नीति की योजना पर केंद्रित थी। एक्सियोस के अनुसार अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में कोई प्रगति नहीं हुई है। कतर के मध्यस्थ अभी भी ईरान के जवाब का इंतजार कर रहे हैं जो अमेरिका के उस जवाबी प्रस्ताव पर आना है जिसमें परमाणु रियायतों की मांग की गई थी। एक दूसरे इजराइली अधिकारी ने एक्सियोस को बताया, ईरान में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू होने की चर्चा बढ़ गई है। चुनाव से पहले ऐसा होने की संभावना ज्यादा नहीं है, लेकिन हम इससे इनकार नहीं कर सकते। मध्यावधि चुनावों के बाद इसके होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। ट्रंप ने बुधवार को इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की; कई हफ़्तों तक बातचीत न होने के बाद कुछ ही दिनों में यह उनकी दूसरी बातचीत थी।

नेपाल में फिर कांपी धरती, बाजुरा में लगे भूकंप के तेज झटके

काठमांडु एजेंसी। पश्चिमी नेपाल में 4.1 तीव्रता का मध्यम भूकंप आया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्टीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, भूकंप बुधवार रात स्थानीय समयानुसार नौ बजकर 37 मिनट पर आया। इसका केंद्र सुदूरपश्चिम प्रांत के बाजुरा जिले की बुधिगंगा नगरपालिका-10 में था, जो काठमांडू से करीब 750 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। भूकंप के झटके पड़ोसी बाजहांग, कालिकोट और अछाम जिलों में भी महसूस किए गए। अभी तक भूकंप से किसी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। नेपाल में हर साल कई बार भूकंप आते हैं। हिमालयी देश नेपाल सबसे सक्रिय टेक्टोनिक क्षेत्रों (भूकंपीय क्षेत्र चार और पांच) में से एक में स्थित है, जिसके कारण यहां भूकंप का खतरा बहुत अधिक रहता है।

संक्षिप्त समाचार

कनाडाई महिला ने विदेशी इन्फ्लुएंसर्स को लगाई फटकार

टोरंटो, एजेंसी। कनाडाई महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है। महिला ने उन विदेशी ट्रैवल ब्लॉगर्स और इन्फ्लुएंसर्स के कंटेंट पर सवाल उठाया, जो भारत की यात्रा के दौरान मुख्य रूप से भीड़भाड़, गंदगी और गरीबी वाले इलाकों को दिखाकर पूरे देश की तस्वीर पेश करते हैं। उन्होंने कहा कि पुरानी दिल्ली की किसी एक गली को दिखाकर 140 करोड़ से ज्यादा आबादी वाले पूरे भारत को नहीं आंका जा सकता। महिला ने भारत के आधुनिक शहरों, बुनियादी ढांचे, पर्यटन स्थलों और आतिथ्य की तारीफ करते हुए विदेशी कंटेंट क्रिएटर्स से देश को अधिक संतुलित तरीके से दिखाने की अपील की। वायरल वीडियो में कनाडाई महिला ने कहा कि भारत बेहद विशाल और विविधता वाला देश है। उनके मुताबिक, कई पश्चिमी कंटेंट क्रिएटर भारत पहुंचने के बाद सबसे पहले भीड़भाड़ वाली गलियों और पुराने इलाकों का वीडियो बनाते हैं और फिर उसी आधार पर पूरे देश के बारे में राय पेश करते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या किसी देश के सिर्फ एक हिस्से को देखकर उसकी पूरी तस्वीर पेश करना उचित है। उनका कहना था कि भारत में आधुनिक शहरों से लेकर ऐतिहासिक विरासत और प्राकृतिक पर्यटन स्थलों तक बहुत कुछ है, जिसे विदेशी दर्शकों के सामने दिखाया जाना चाहिए। महिला ने अपने भारत दौरे के अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने दिल्ली और ऋषिकेश की यात्रा की। दिल्ली में वह शांगरी-ला जैसे एक लग्जरी होटल में ठहरी थीं। उनके मुताबिक, होटल में एक रात का खर्च करीब 160 कनाडाई डॉलर था। उन्होंने भारत की आतिथ्य व्यवस्था और होटल सेवाओं की भी प्रशंसा की। उनका कहना था कि भारत में पर्यटकों को मिलने वाली मेहमाननवाजी और सुविधाओं को भी विदेशी यात्रा सामग्री में जगह मिलनी चाहिए। कनाडाई महिला ने विदेशी यात्रा कंटेंट में कथित दोहरे रवैये पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि जब पश्चिमी यात्री वियतनाम, थाईलैंड या यूरोप के देशों की यात्रा करते हैं तो क्या वे वहां की सबसे खराब जगहों को चुनकर पूरे देश की तस्वीर पेश करते हैं? उन्होंने कहा कि भारत के बारे में सनसनीखेज शीर्षक और नकारात्मक दृश्यों के जरिए ज्यादा दर्शक जुटाने की प्रवृत्ति पर सवाल उठना चाहिए। उनके मुताबिक, इस तरह के कंटेंट से विदेशों में रहने वाले भारतीयों के प्रति गलत धारणाएं और पूर्वाग्रह भी बढ़ सकते हैं। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कई भारतीय उपयोगकर्ताओं ने महिला के विचारों की सराहना की और कहा कि भारत की यात्रा के दौरान सकारात्मक और आधुनिक पहलुओं को भी दिखाया जाना चाहिए। हालांकि, किसी भी देश की यात्रा सामग्री में केवल सकारात्मक या केवल नकारात्मक पहलुओं के बजाय वास्तविक परिस्थितियों की संतुलित तस्वीर दिखाना अधिक महत्वपूर्ण है। भारत में गरीबी, भीड़ और अव्यवस्था जैसी वास्तविक चुनौतियां भी हैं, लेकिन किसी एक इलाके या अनुभव को पूरे देश का प्रतिनिधि मानना भी उचित नहीं माना जा सकता।

पूर्व सर्बियाई राष्ट्रपति ने जमकर की मोदी की तारीफ; बोले-उन्होंने भारत को दुनिया की ताकत बनाया, फिर भी हो रहीं उन्हें गिराने की कोशिशें

बेलग्रेड , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 साल के सार्वजनिक जीवन के मौके पर पूर्व सर्बियाई राष्टपति अलेक्जेंडर वुचिच का एक बयान चर्चा में है। वुचिच ने मोदी के नेतृत्व की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने भारत को दुनिया के मंच पर एक बड़ी ताकत बनाया है। साथ ही उन्होंने दावा किया कि इसके बावजूद प्रधानमंत्री मोदी को कमजोर करने और उन्हें गिराने की कोशिशें की जा रही हैं। वुचिच की ये टिप्पणियां एक पॉडकास्ट के दौरान सामने आईं और बुधवार को उनका वीडियो तेजी से चर्चा में आ गया। उन्होंने दुनिया के कई नेताओं को कमजोर करने की कोशिशों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी को इसका उदाहरण बताया। पूर्व सर्बियाई राष्टपति ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने भारत की वैश्विक स्थिति को काफी मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि मोदी ने भारत को दुनिया के मंच पर महत्वपूर्ण शक्ति बनाया और उनके नेतृत्व में देश ने बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। वुचिच ने कहा, ÷आपके पास नरेंद्र मोदी जैसा नेता है। अब उन्हें कमजोर करने की कोशिश हो रही है। मोदी ने भारत को आसमान की ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। वह महात्मा गांधी की शिक्षाओं का पालन करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत दुनिया के मंच पर इतना महत्वपूर्ण और प्रभावशाली देश बना है।

भारत में स्टारलिंक की एंट्री रोक रहे कुछ बड़े उद्योगपति, एलन मस्क का गंभीर आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क ने भारत में अपनी सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस स्टारलिंक के लॉन्च में हो रही देरी को लेकर बड़ा आरोप लगाया है। मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया है कि भारत में कुछ चुनिंदा उद्योगपति अपनी मोनोपॉली बनाए रखने के लिए स्टारलिंक की राह में रुकावटें पैदा कर रहे हैं।

कुछ खास लोग हमें रोक रहे- मस्क: मस्क ने एक पोस्ट के जवाब में लिखा कि दुर्भाग्य से, भारतीय जनता पर अपना एकाधिकार बनाए रखने के लिए कुछ खास लोग हमें रोक रहे हैं। आप अंदाजा लगा सकते हैं कि वे कौन हैं? यह भारत के लोगों के खिलाफ एक अपराध है।

भारत के लिए मस्क की योजना: बता दें कि मस्क का कहना है कि स्टारलिंक भारत के उन सुदूर गांवों और लोगों तक हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाना चाहती है, जहां आज भी ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी नहीं पहुंच पाई है या जिनके लिए मौजूदा कीमतें बहुत ज्यादा हैं। दूसरी ओर स्टारलिंक का दावा है कि वह भारत में अपनी सेवाएं शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है और जैसे ही सरकार हरी झंडी देगी, सर्विस शुरू कर दी जाएगी।

भारत में स्टारलिंक की तैयारी कैसी है?: इंडिया मोबाइल कांग्रेस के दौरान स्टारलिंक की बिजनेस ऑपरेशंस वीपी, लॉरेन्रे ड्रायर ने बताया कि कंपनी ने भारत में 20 गेटवे साइट्स तैयार कर ली हैं। साथ ही, भारतीय डेटा देश के भीतर ही सुरक्षित रखने के लिए खास सुरक्षा इंतजाम भी किए गए हैं।

बच्चों को मोटापा कम करने वाली दवाएं देते हैं तो हो जाएं सावधान! डब्ल्यूएचओ की चेतावनी

जिनेवा , एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बुधवार को कहा कि अधिक वजन वाले बच्चों के लिए दवाएं और सर्जरी समाधान नहीं हैं। अपने दिशा-निर्देशों में संस्था ने इसके बजाय संतुलित आहार, शारीरिक गतिविधियों की सिफारिश की है। डब्ल्यूएचओ ने स्पष्ट रूप से कहा कि 0 से 9 वर्ष तक के बच्चों के लिए वजन घटाने वाली दवाओं, पेट या पाचन तंत्र से जुड़ी शल्य चिकित्सा या वजन घटाने वाले उपकरणों के उपयोग की सिफारिश नहीं की जाती है।

संगठन ने कहा कि 10 से 19 साल के किशोरों के लिए वजन घटाने वाली दवाओं पर विचार किया जा सकता है लेकिन ऐसा तभी किया जाए जब देखरेख में किए गए अन्य उपाय नाकाम हो जाएं। वहीं, अत्यधिक मोटापे से ग्रस्त किशोरों के लिए कड़ी शर्तों के तहत ही शल्य चिकित्सा पर विचार किया जा सकता है।

दुनिया भर में सात करोड़ से अधिक बच्चे प्रभावित : आंकड़ों के अनुसार, साल 2024 में दुनिया भर में पांच से नौ वर्ष की आयु के लगभग 7 करोड़ बच्चे और 10 से 19 वर्ष के 10 करोड़ किशोर मोटापे से ग्रस्त थे। 5 से 19 वर्ष के लोगों

में मोटापे की दर वर्ष 1990 के दो प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 8 प्रतिशत हो गई है।

कैलोरी कम करने वाली डाइट में खतरा: इस बीच एक शोध में यह बात सामने आई है कि वजन घटाने के लिए पिछले कुछ वर्षों में कैलोरी कम करने वाली डाइट काफी लोकप्रिय हुई है। हालांकि, शोध बताते हैं कि ऐसी डाइट से शुरु में वजन घट सकता है, लेकिन लंबे समय तक कम वजन रखना अधिक चुनौतीपूर्ण होता है और कई लोगों का वजन दोबारा बढ़ जाता है। दरअसल कैलोरी घटाने वाली डाइट में व्यक्ति अपने भोजन से मिलने वाली ऊर्जा (कैलोरी) की मात्रा कम करता है। इसमें इंटरमिटेंट फास्टिंग (दिन के कुछ निश्चित समय में ही भोजन करना), अल्टरनेट डे फास्टिंग (एक दिन छोड़कर सीमित या बिना कैलोरी का सेवन) और फास्ट 800 जैसी डाइट शामिल हैं, जिनमें तेजी से वजन घटाने के लिए कैलोरी बहुत कम कर दी जाती हैं। इसका मूल सिद्धांत यह है कि शरीर जितनी ऊर्जा खर्च करता है, उससे कम कैलोरी लेने पर वह जमा वसा का इस्तेमाल करता है, जिससे समय के साथ वजन कम हो सकता है।

विभिन्न शोध में लगातार पाया गया है कि कैलोरी कम करने वाली डाइट से वजन और कमर का घेरा घट सकता है। यह शरीर में रक्त शर्करा और कोलेस्ट्रॉल के नियंत्रण में भी सुधार कर सकती है, जिससे हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है। खासकर ऐसे लोगों में जो अधिक वजन वाले हैं, मोटापे से जूझ रहे हैं या टाइप-2 मधुमेह से पीड़ित हैं। लेकिन इस संबंध में किए गए अधिकतर अध्ययन केवल 2 से 12 सप्ताह की छोटी अवधि के हैं। वजन कम करने के बाद उसे बनाए रखना अधिक कठिन होता है। कई लोग डाइट खत्म होने के बाद घटा हुआ कुछ या अधिक वजन फिर से हासिल कर लेते हैं।

मुझे नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए, लेकिन उम्मीद बहुत कम...; ट्रंप का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप बार-बार कहते रहे हैं कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए। वहीं ट्रंप ने फिर एक बार वही बात कही, लेकिन इस बार उन्होंने ये अवॉर्ड मिलने पर संदेह भी दिखाया है। ट्रंप ने 2026 में मिले नोबेल पुरस्कार के बारे में कहा, मुझे नहीं पता कि उनका फैसला क्या होगा। नॉर्वेजियन नोबेल कमिटी शुक्रवार को इस पुरस्कार की घोषणा करेगी। उनकी ऐसी छवि है कि वे शायद मुझ जैसे लोगों को यह पुरस्कार नहीं देते। ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार मिलने की उम्मीद व्हाइट हाउस में वापसी के बाद से ट्रंप बार-बार कह चुके हैं कि वे दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित माने जाने वाले इस पुरस्कार के हकदार हैं। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से कहा, अब वह समय आ गया है। लेकिन पिछली बार इसे पाने वाले व्यक्ति से अप्रत्यक्ष रूप से इसे पाकर मुझे बहुत सम्मान महसूस हुआ था। उन्होंने कहा था कि इतिहास में राष्ट्रपति ट्रंप से ज्यादा इसका कोई हकदार नहीं है। वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को 2025 में नोबेल शांति पुरस्कार मिला था और उन्होंने नोबेल पुरस्कार मेडल ट्रंप को दे दिया था, क्योंकि वे वेनेजुएला में अपनी कोशिशों के लिए अमेरिका का समर्थन चाहती थीं।

ट्रंप ने बताया- क्यों मिलना चाहिए नोबेल: डोनल्ड ट्रंप कई संघर्षों को सुलझाने का दावा करते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति का दावा है कि उन्होंने दुनिया में कई युद्ध रुकवाए हैं। कंबोडिया, इजरायल और पाकिस्तान के नेताओं ने कहा है कि उन्होंने ट्रंप को नॉमिनेट किया है, हालांकि इसकी पुष्टि करने का कोई तरीका नहीं है। देखा जाए तो ट्रंप यूक्रेन-रूस युद्ध का समाधान नहीं निकाल पाए हैं, जबकि उन्होंने अपने दूसरे व्हाइट हाउस कार्यकाल के पहले दिन ही इसे खत्म करने का वादा किया था। अमेरिका ने ट्रंप के निर्देश पर इसी साल इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर हमला किया, जिसके बाद से मिडिल ईस्ट में हालात बिगड़ गए हैं। दुनियाभर में तेल और गैस की सप्लाई प्रभावित हुई है, जिससे दाम काफी बढ़ गए हैं।

इस साल पुरस्कार जीतने की दौड़ में पोप लियो, इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट और फलस्तीनी क्षेत्रों के लिए विशेष रैपोर्टेयर (विशेष प्रतिनिधि) जैसे नाम प्रमुखता से शामिल हैं।

अमेरिका में मॉल में हमले की साजिश का खुलासा, एफबीआई एजेंटों ने युवा को 600 डॉलर में बेची एके-47

वॉशिंगटन , एजेंसी। एफबीआई एजेंटों ने मॉल ऑफ अमेरिका पर एक किशोर के आतंकी हमले की साजिश को नाकाम कर दिया। उन्होंने लगभग दो साल तक उस पर नजर रखी और आखिर में उसे वही एके-47 राइफल मुहैया कराई जिसका इस्तेमाल वह हमले के लिए करना चाहता था।

यह 18 साल का किशोर दिसंबर 2024 से ही एफबीआई की रडार पर था। उसने एक गुप्त मुखबिर के साथ मैसेज का आदान-प्रदान शुरू किया था। एक शिकायत के अनुसार, शुरू में उसने अल-शबाब चरमपंथियों की ओर से लड़ने के लिए सोमालिया जाने में दिलचस्पी दिखाई थी। शिकायत में कहा गया है कि जब मॉल पर हमला करने की उसकी योजना पक्की हो गई तो एजेंटों ने मंगलवार को उसे बंदूक और गोला-बारूद बेचा और उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

30 से 40 लोगों को मारना चाहता था: अमेरिकी अटॉर्नी डैनियल रोसेन ने कहा, यह एक कट्टरपंथी सोच वाला युवक था, जिस पर नजर रखने की जरूरत थी। एजेंट खतरे का पता लगाने और उसे

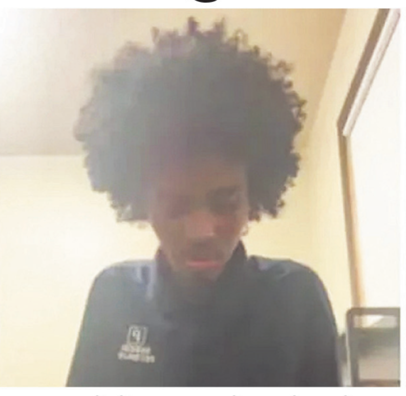

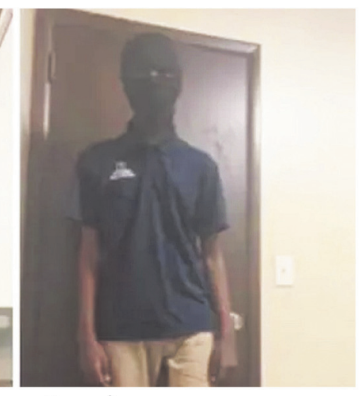

नाकाम करने में कामयाब रहे, इससे पहले कि आरोपी अपने उस इरादे को अंजाम दे पाता। उसी के शब्दों में कहा जाए तो शायद वह 30 से 60 लोगों को मारना चाहता था।

एफबीआई का प्लान: एजेंसी ने बताया कि शेखदून अब्दुल्लाही मोहमुद को मंगलवार को रिचफील्ड के एक पब्लिक पार्क में गिरफ्तार किया गया। यह जगह मॉल ऑफ अमेरिका से कई मील उत्तर-पश्चिम में है। गिरफ्तारी तब हुई जब उसने एक राइफल और 200 राउंड गोलियों के लिए एक अंडरकवर एफबीआई कर्मचारी को 600 डॉलर दिए। वह कर्मचारी इस्लामिक स्टेट ग्रुप का सदस्य बनकर उससे मिला था।

एफबीआई एजेंट की शिकायत के अनुसार, मोहमुद ने मुखबिर को भेजे चैट मैसेज में बार-बार कहा कि वह 24 अक्टूबर को मॉल में गैर-मुसलमानों पर हमला करके उन्हें मारना चाहता है। उस दिन मिनेसोटा के सबसे बड़े एशियाई जातीय समूह ह्मोंग समुदाय का एक कला उत्सव आयोजित होने वाला था।

शिकायत के अनुसार, जब मुखबिर ने पूछा कि क्या वह हमला करने को लेकर गंभीर है तो मोहम्मद ने जवाब दिया, हां, मुझे 100त्न यकीन है। और आगे कहा, अगर मुझे यकीन नहीं होता तो मैं अब तक पीछे हट गया होता।

एजेंट ने लिखा कि मोहमुद के मैसेज से हाल के आतंकी हमलों के लिए उसकी तारीफ और सोमालिया जाकर लड़ने में उसकी दिलचस्पी का पता चलता है जहां वह असल में इस्लामिक स्टेट ग्रुप के लिए लड़ना चाहता था। शिकायत के मुताबिक, बाद में उसने तय किया कि वह वहां जाने का खर्च नहीं उठा सकता और इसके बजाय मॉल पर हमला करेगा।

एफबीआई की नजर में कब आया मोहमुद?: शिकायत के अनुसार, यह किशोर पहली बार दिसंबर 2024 में एफबीआई की नजर में आया। इसी महीने उस सोर्स ने उससे मैसेज का आदान-प्रदान शुरू किया था। मई 2025 तक एजेंट इतने चिंतित हो गए कि वे उसके घर गए। शिकायत में कहा गया है कि उसकी मां ने उन्हें बताया कि वह अभी स्कूल से घर नहीं लौटा है और लड़के के पिता को फोन किया। पिता ने उनसे बात करने से इनकार कर दिया और कहा कि वे अपनी संपर्क जानकारी उसके वकील को दे देंगे।

जेल में बंद प्रदर्शनकारी ने फोन पर की अपनी मंगेतर से शादी, अगले ही दिन ईरान ने दे दी फांसी

तेहरान, एजेंसी। मध्य ईरान के शहर इस्फहान में प्रदर्शनकारी अलीरेजा सेपाही को फांसी दे दी गई। जनवरी में हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद गिरफ्तार किया गया था। जुलाई में दिल का दौरा पड़ने के कारण उन्हें सबके सामने फांसी नहीं दी गई। इस बीच में उन्होंने अपनी मंगेतर से शादी भी की। 5 अक्टूबर की सुबह वह पल आ ही गया जिसका 25 वर्षीय अलीरेजा को महीनों से डर था। उन्हें मध्य ईरान के शहर इस्फहान में फांसी दे दी गई। फांसी दिए जाने से ठीक पहले उनके वकील ने फोन पर एक समारोह के जरिए उनकी पार्टनर 22 वर्षीय महशाद काशानी से उनकी शादी करवाई थी। महशाद को भी विरोध प्रदर्शनों के कारण जेल में डाल दिया गया था। अधिकारियों के अनुसार, उन्हें इस्फहान की अलीखानी स्क्वायर पर हुए विरोध प्रदर्शनों के

मामले में इस्फहान की सेंट्रल जेल में एक और व्यक्ति 21 वर्षीय अलीरेजा रायसी के साथ फांसी दी गई। इन प्रदर्शनों में चार पुलिस अधिकारी मारे गए थे। मिजान एजेंसी के अनुसार, उन्हें एक हथियारबंद गुट का सदस्य होने और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने का दोषी ठहराया गया था। नॉर्वे स्थित एनजीओ ईरान ह्यूमन राइट्स के अनुसार, ईरान ने इन विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में अब तक 34 लोगों को फांसी दी है। ये प्रदर्शन 8-9 जनवरी को अपने चरम पर थे। मानवाधिकार समूहों का कहना है कि इन प्रदर्शनों को कड़ी कार्रवाई करके दबा दिया गया, जिसमें हजारों लोग मारे गए और साथ ही इंटरनेट भी बंद कर दिया गया था। अलीरेजा सेपाही को कथित घटना के कुछ ही दिनों बाद 10 जनवरी को उनकी मां के साथ गिरफ्तार किया गया था।

ट्रंप का ऐसा मजाक! यूरोपीय संसद के पास लगाई गई नग्न मूर्ति, लिखा- अन्याय का राजा

पेरिस, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक ऐसी मूर्ति सामने आई है, जिसने सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों तक खूब ध्यान खींचा है। फ्रांस के स्ट्रासबर्ग में यूरोपीय संसद के पास ट्रंप की एक विवादित मूर्ति लगाई गई है। इसे 23 कैरेट सोने से कोट किया गया है और इसका नाम 'द ऑरेंज प्लेग' रखा गया है।

डेनमार्क के मूर्तिकार जेन्स गाल्शियोट ने करीब आठ फुट लंबी इस मूर्ति को तैयार किया है। इसमें ट्रंप को पूरी तरह नग्न दिखाया गया है। उनके एक हाथ में गोल्फ क्लब और दूसरे हाथ में न्याय का तराजू है। मूर्ति में एक काफी छोटे और थके हुए व्यक्ति को ट्रंप को अपने कंधों पर उठाए हुए दिखाया गया है।

उसके नीचे ग्लोब जैसी आकृति भी बनाई गई है।

मूर्ति के नीचे लिखा है 'द किंग ऑफ इनजस्टिस': मूर्ति के बेस पर 'द किंग ऑफ इनजस्टिस' यानी अन्याय का राजा लिखा गया है। इसके साथ एक संदेश भी दिया गया है, जिसमें ट्रंप को उस व्यक्ति पर बोझ के तौर पर दर्शाया गया है जो उन्हें अपने कंधों पर उठा रहा है।

मूर्तिकार जेन्स गाल्शियोट ने इस कृति को 'व्यंग्यात्मक विरोध' बताया है। उनके मुताबिक, यह मूर्ति ट्रंप की अमेरिकी विदेश नीति, पर्यावरण और जलवायु नीति की आलोचना को सामने रखती है।

सोशल मीडिया पर भी छिड़ी बहस: मूर्ति का वीडियो इंटरनेट पर तेजी से फैल गया और इसे लेकर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आईं। कुछ यूजर्स ने मूर्ति को हास्यास्पद बताया और कलाकार की आलोचना की, जबकि कुछ लोगों ने इस पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी दीं।

गाल्शियोट का कहना है कि ट्रंप अंतरराष्ट्रीय नियम आधारित व्यवस्था, लोकतांत्रिक मूल्यों और जलवायु संकट से निपटने के प्रयासों के लिए बड़ा खतरा हैं। उन्होंने इस कृति को इसी मुद्दे पर ध्यान खींचने वाला एक व्यंग्यात्मक विरोध बताया है। डेनमार्क के स्ध्क्ष्क्ष पेर क्लॉसन ने इस इंस्टॉलेशन का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि जो लोग इस मूर्ति को बर्दाश्त नहीं कर सकते, उन्हें वैश्विक मंच पर रहने का अधिकार नहीं होना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन 10 अक्टूबर को

बिलासपुर। 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन समारोह 10 अक्टूबर को सवेरे 10.30 बजे स्व. बी.आर. यादव राज्य प्रशिक्षण केंद्र, बहतराई में आयोजित होगा। केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्य मंत्री श्री तोखन साहू समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। समारोह में विधायक सर्वश्री श्री अमर अग्रवाल, श्री धरमलाल कौशिक, श्री धर्मजीत सिंह, श्री सुशांत शुक्ला, श्री दिलीप लहरिया, श्री अटल श्रीवास्तव, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष श्री राजा पाण्डेय, क्रेडा अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सवन्नी, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष श्री रजनीश सिंह, श्री दीपक सिंह ठाकुर, श्री मोहित जायसवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। समारोह में विजेता एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाएगा। गौरतलब है कि बस्तर, बिलासपुर, रायपुर, सरगुजा और दुर्ग संभाग के 571 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसमें 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग की तीरंदाजी, 19 वर्ष आयु वर्ग की हॉकी और 19 वर्ष बालक वर्ग की कबड्डी के मुकाबले बहतराई के एस्ट्रोटर्फ इंडोर स्टेडियम और तीरंदाजी मैदान में खेले गये।

जब्त मादक पदार्थों का किया गया नष्टीकरण

बिलासपुर। जिले के थानों में जब्त किये गये मादक पदार्थों का नष्टीकरण जिला स्तरीय औषधि निपटान समिति के सदस्यों की उपस्थिति में सुधा बॉयो पावर प्राईवेट लिमिटेड मोहतराई के भट्ठी में विधिवत जलाकर एवं रोलर के माध्यम से नष्टकर किया गया। नष्ट किये गए मादक पदार्थों में गांजा 302.642 किग्रा, सीरप 1989 नग, ब्राउन शुगर 2.9 ग्राम, इंजेक्शन एम्पुल 9641 नग, चरस 9.38 ग्राम, कैप्सूल 248 नग, टेबलेट 11610 नग शामिल है। इस दौरान ड्रग डिस्पोजल समिति के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर श्री पंकज कुमार पटेल, सहायक आबकारी आयुक्त श्री नवनीत तिवारी, क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी व पंचान की उपस्थिति रही।

सेवा संकल्प अभियान में 200 से अधिक लोगों ने लिया प्रशिक्षण, मास्टर ट्रेनर बनकर विद्यार्थियों और ग्रामीणों को करेंगे जागरूक

कवर्धा। एआई अब सिर्फ तकनीक जानने वालों तक सीमित नहीं रहेगा। इसे गांवों और आम लोगों तक पहुंचाने के लिए कबीरधाम में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत एआई जागरूकता की पहल शुरू की गई है। दुर्गावती चौक के पास स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में आयोजित कार्यशाला में 200 से अधिक लोगों ने 'मैं एआई जागरूक हूं' विषय पर प्रशिक्षण लिया। अब यही प्रशिक्षणार्थी मास्टर ट्रेनर बनकर जिले के गांवों में जाएंगे और विद्यार्थियों, युवाओं व ग्रामीणों को एआई के सकारात्मक, सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग की जानकारी देंगे। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा एवं शिक्षा विभाग के समन्वय से आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञों ने बताया कि एआई का सही उपयोग शिक्षा, शासकीय कार्य, सामाजिक क्षेत्र और रोजमर्रा के कामों को आसान और तेज बनाने में किया जा सकता है। प्रतिभागियों को एआई की उपयोगिता के साथ इसकी सीमाओं और जिम्मेदार उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यशाला में एआई के दूसरे पहलू पर भी विशेष जोर दिया गया। प्रतिभागियों को साइबर अपराध, ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी और डीपफेक जैसे मामलों से बचने के तरीके बताए गए। विशेषज्ञों ने समझाया कि सोशल मीडिया पर आने वाली फोटो, वीडियो और सूचनाओं पर तुरंत भरोसा करने के बजाय उनकी सत्यता जांचना जरूरी है। संदिग्ध लिंक, संदेश और ऑनलाइन लेनदेन को लेकर भी सावधानी बरतने की सलाह दी गई। कार्यशाला में प्रशिक्षण लेने वाले प्रतिभागियों को अब जिले में एआई जागरूकता अभियान को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी दी जाएगी। वे स्कूल-कॉलेजों और ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को एआई की उपयोगिता, सुरक्षित इस्तेमाल और संभावित जोखिमों की जानकारी देंगे। इस तरह एक कार्यशाला से तैयार हुए मास्टर ट्रेनर आगे चलकर बड़ी संख्या में लोगों तक जागरूकता का संदेश पहुंचाएंगे।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने की जिले की कानून व्यवस्था की समीक्षा

कवर्धा। कलेक्टर तुलिका प्रजापति एवं पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में राजस्व, पुलिस एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में कानून व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति, संवेदनशील क्षेत्रों तथा आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कानून व्यवस्था की दृष्टि से जिले के संवेदनशील ग्राम, शहर, कस्बे एवं अन्य आवश्यक स्थानों को चिन्हित किया जाए। ऐसे क्षेत्रों में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाते हुए संबंधित विभागों के अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य सुनिश्चित करें।

उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले खिलाड़ियों को किया सम्मानित

जूडो सिखाता है साहस, आत्मसंयम और अनुशासन का पाठ-राज्यपाल

■ राज्यपाल ने किया 26वीं राज्य स्तरीय सब-जूनियर एवं कैडेट जूडो चैम्पियनशिप का शुभारंभ

बिलासपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि जूडो केवल एक खेल नहीं, बल्कि साहस, आत्मसंयम, अनुशासन और आत्मविश्वास विकसित करने का सशक्त माध्यम है। यह विपरीत परिस्थितियों में धैर्य और संतुलन के साथ चुनौतियों का सामना करना सिखाता है। विशेषकर बालिकाओं के लिए जूडो आत्मरक्षा और मानसिक मजबूती का महत्वपूर्ण आधार है। राज्यपाल श्री डेका आज सरकंडा स्थित खेल परिसर में 26वीं राज्य स्तरीय सब-जूनियर एवं कैडेट जूडो चैम्पियनशिप-2026 का शुभारंभ कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए बालक-बालिका खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के तत्वाधान में बिलासपुर जूडो संघ द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में राज्य भर के 16 जिलो से 240 खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक भाग ले रहे है। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि खेल हमें प्रतिद्वंद्वी का सम्मान करना, जीत में विनम्र रहना और हार से सीखकर आगे बढ़ना सिखाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से बड़े लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज राज्य स्तर पर प्रतिभा दिखाने वाले खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं सहित एशियाई खेलों और ओलंपिक में भी देश का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। असफलता से निराश होने के बजाय उससे सीखकर आगे बढ़ना ही सच्चे खिलाड़ी की पहचान है। प्रदेश की खेल प्रतिभाएं बढ़ा रही हैं छत्तीसगढ़ का गौरव - राज्यपाल ने कोंडागांव जिले की जूडो खिलाड़ियों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि योगिता मंडावी को

उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हेमवती नाग ने खेलो इंडिया नेशनल गेम्स और ओपन नेशनल प्रतियोगिता में पदक हासिल किए हैं। वहीं रंजीता कोरेटी ने ताइवान में आयोजित एशियन कैडेट जूडो चौम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों की उपलब्धियां अन्य युवा प्रतिभाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। राज्यपाल ने प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को किया सम्मानित - समारोह में राज्यपाल श्री डेका ने जूडो में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले हेमवती नाग, अभिषेक जायसवाल, कुमारी शारदा गोस्वामी और योगिता मंडावी को सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों की मेहनत और उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों की खेल प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, सुविधाएं और अवसर उपलब्ध कराना जरूरी है। उन्होंने छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ से खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के प्रयास निरंतर जारी रखने की अपेक्षा की। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को खेल भावना और अनुशासन के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह, छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के अध्यक्ष श्री अरुण द्विवेदी, महासचिव श्री शम्भू सोनी, बिलासपुर जिला जूडो संघ के अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र शुक्ला, जिला जूडो संघ के सचिव श्री राजकुमार जायसवाल सहित खेल संघ के पदाधिकारी, प्रशिक्षक एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री सुशील मिश्रा ने किया।

गौरेला में पनीर का नमूना जांच में पाया गया असुरक्षित विभिन्न प्रतिष्ठानों से लिए गए खाद्य पदार्थों के नमूने........

■ खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा को लेकर खाद्य एवं औषधि प्रशासन सख्त

मरवाही। आम नागरिकों को सुरक्षित, शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने तथा जनस्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की लगातार जांच की जा रही है। इसी क्रम में विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु संकलित किए गए हैं। साथ ही जांच में असुरक्षित पाए गए खाद्य पदार्थों के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जिले के गृहस्थी सुपर बाजार से मैगी एवं साबूदाना, 786 बिरयानी सेंटर तथा हरी कन्फेक्शनरी से खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु लिए गए हैं। इन नमूनों की जांच के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में गौरेला में खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा पनीर का विधिवत नमूना लेकर जांच हेतु भेजा गया था। प्राप्त जांच प्रतिवेदन में वेजिटेबल फैट की मात्रा निर्धारित अनुमत सीमा से 77 प्रतिशत अधिक पाए जाने के आधार पर खाद्य विश्लेषक द्वारा संबंधित पनीर को 'असुरक्षित' घोषित किया गया है। जांच प्रतिवेदन को गंभीरता से लेते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही द्वारा जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के दृष्टिगत फॉर्च्यून मैदा के संबंधित बैच क्रमांक ख्र्नख्र्ख्र50059 की जिले में बिक्री एवं वितरण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का आदेश जारी किया गया है। खाद्य कारोबारियों को निर्देशित किया गया है।

सामूहिक हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से दिया गया नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश.......

■ नशामुक्त भारत अभियान विद्यार्थियों ने ली नशामुक्ति की शपथ

मरवाही। नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत समाज में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता लाने तथा युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से समाज कल्याण विभाग द्वारा आज डॉ. भंवर सिंह पोर्ते शासकीय महाविद्यालय पेंड्रा में नशामुक्ति शपथ एवं सामूहिक हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा परिवार एवं समाज में नशामुक्ति का संदेश प्रसारित करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी नशे की बुराइयों से बचाने के लिए प्रेरित करने की सामूहिक शपथ ली। इसके साथ ही सामूहिक हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से नशामुक्त समाज के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि युवा पीढ़ी देश और समाज का भविष्य है। युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। नशे की प्रवृत्ति न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि परिवार की खुशहाली और सामाजिक विकास में भी बाधक बनती है। इसलिए नशामुक्ति को जनजागरूकता एवं सामूहिक सहभागिता के माध्यम से जनआंदोलन का स्वरूप देना आवश्यक है।

पक्के घर का सपना हुआ पूरा सेवा सेतु शिविर में नरेंद्र को मिला आवास की चाबी....

गौरेला पेंड्रा मरवाही। मरवाही विकासखंड के ग्राम पंचायत पिपरिया निवासी श्री नरेंद्र कुमार के लिए पक्के घर का सपना अब हकीकत बन चुका है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से उन्हें अपने परिवार के लिए सुरक्षित और पक्का आशियाना मिला है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत

आयोजित 'सेवा सेतु अभियान ङ्क सरकार आपके द्वार' शिविर गुदुमदेवरी में श्री नरेंद्र कुमार को उनके नए पक्के आवास की चाबी सौंपी गई। चाबी हाथ में आते ही उनके चेहरे पर खुशी और संतोष की झलक साफ दिखाई दी। वर्षों से अपने पक्के घर की प्रतीक्षा कर रहे नरेंद्र कुमार के लिए यह पल बेहद खास रहा। श्री नरेंद्र कुमार ने आवास मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पक्का घर मिलने से उनके परिवार को अब सुरक्षित और बेहतर जीवन जीने का अवसर मिला है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को आवास का लाभ मिलने से 'सबके लिए आवास' के संकल्प को धरातल पर साकार करने में मदद मिल रही है। आज नरेंद्र कुमार का अपना पक्का घर है और उनके परिवार के सपनों को एक नई छत मिली है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत हरदीपारा व्यपवर्तन में स्वच्छता अभियान एवं जल जन चौपाल का आयोजन...

■ जल स्रोतों की स्वच्छता, संरक्षण एवं संवर्धन के लिए ग्रामीणों को किया गया जागरूक

मरवाही। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जनसेवा से राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले में संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज ग्राम पंचायत खोड़री के हरदीपारा व्यपवर्तन में स्वच्छता अभियान एवं जल स्रोत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं पंचायत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों को जल संरक्षण, जल संवर्धन एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान हरदीपारा व्यपवर्तन एवं आसपास के जल स्रोतों की साफ-सफाई के साथ ही नदी घाट स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर जल जन चौपाल, ग्रामीण पेयजल स्रोतों की जांच एवं ग्राम जल सुरक्षा संवाद का आयोजन किया गया। विभागीय अमले द्वारा ग्रामीणों को जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने, पेयजल की शुद्धता बनाए रखने तथा जल संसाधनों के आसपास नियमित साफ-सफाई रखने के महत्व की जानकारी दी गई।जल जन चौपाल में ग्रामीणों को बताया गया कि जल जीवन का आधार है और इसकी प्रत्येक बूंद का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। वर्षा जल संचयन, जल के विवेकपूर्ण उपयोग तथा परंपरागत जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन से भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकती है। ग्रामीणों से जल स्रोतों के आसपास गंदगी नहीं फैलाने तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की अपील की गई। कार्यक्रम के अंत में ग्राम पंचायत खोड़री-हरदीपारा के ग्रामीणों ने जल संरक्षण, जल के अपव्यय को रोकने तथा जल स्रोतों को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने का सामूहिक संकल्प लिया।

जिले की सभी 163 पंचायतों और 224 ग्रामों को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य-कलेक्टर.......

पेंड्रा-मरवाही। टीबी मुक्त भारत अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने तथा टीबी उन्मूलन के प्रयासों में जनभागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से आज एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना कार्यालय गौरेला के सभाकक्ष में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से 'जोश टीम' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिले में टीबी उन्मूलन की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले ग्राम पंचायतों के सरपंचों, माय भारत वॉलंटियर्स एवं एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने कहा कि टीबी मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के लिए गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में लगातार प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। जिले की सर्वाधिक ग्राम पंचायतों के टीबी मुक्त होने की उपलब्धि को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलना जिले के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि को आगे बढ़ाते हुए जिले को पूर्णतः टीबी मुक्त बनाने के लिए सभी विभागों, जनप्रतिनिधियों, स्वास्थ्य अमले एवं आम नागरिकों को सामूहिक प्रयास करना होगा। कलेक्टर ने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप वर्ष 2030 तक टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए जिले के मरवाही विकासखंड को सर्वप्रथम टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही जिले की सभी 163 ग्राम पंचायतों एवं 224 ग्रामों को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि टीबी

का समय पर पता लगना और नियमित उपचार ही इस बीमारी को समाप्त करने का प्रभावी माध्यम है। कलेक्टर ने टीबी संक्रमण की रोकथाम के लिए व्यापक जनजागरूकता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि लगातार खांसी, बुखार, वजन कम होना एवं रात में पसीना आने जैसे लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच करानी चाहिए। उन्होंने ग्राम सभाओं में टीबी के लक्षण, जांच, उपचार एवं बचाव के उपायों की जानकारी देने तथा प्रत्येक गांव में जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के साथ पंचायत एवं ग्रामीण विकास, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास सहित अन्य विभागों के समन्वित प्रयासों से टीबी मुक्त जीपीएम के लक्ष्य को प्राप्त करने का आह्वान किया।कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेन्द्र बहादुर सिंह, जनपद पंचायत गौरेला के अध्यक्ष श्री शिवनाथ बघेल एवं जिला किसान मोर्चा के अध्यक्ष श्री बृजलाल राठौर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने टीबी उन्मूलन के लिए गांव-गांव में जनजागरूकता बढ़ाने, संभावित मरीजों की समय पर पहचान करने तथा उपचार के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में बताया गया कि पिछले वर्ष जिले की 52 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया गया था।

खनिजों के अवैध परिवहन करते पाए जाने पर 9 ट्रैक्टर जब्त किए

मरवाही। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के निर्देशानुसार जिला खनिज उड़नदस्ता दल द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से रेत परिवहन करते पाए गए 9 ट्रैक्टर वाहनों को जब्त किया गया है। खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार उड़नदस्ता दल द्वारा मरवाही क्षेत्र के चीचगोहना, मड़वाही, कुम्हारी एवं मरिहीघाट क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए रेत से भरे 5 एवं मुरुम से भरे 1 ट्रैक्टर वाहनों को जब्त कर सुरक्षार्थ थाना मरवाही में रखा गया है। इसी प्रकार अमेराटिकरा एवं मौहारिटिकरा क्षेत्र से एक-एक ट्रैक्टर वाहन जब्त कर पुलिस चौकी कोटमी में सुरक्षार्थ रखा गया है। इसके अतिरिक्त खंता-लालपुर क्षेत्र से रेत से भरे एक ट्रैक्टर वाहन को जब्त कर नगर सैनिक लाइन में सुरक्षार्थ रखा गया है। खनिज विभाग द्वारा सभी जब्त वाहनों के मालिकों के विरुद्ध खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। नियमानुसार निर्धारित अर्थदंड अथवा समझौता राशि संबंधित खनिज मद में जमा कराए जाने के उपरांत ही वाहनों को मुक्त किया जाएगा। कलेक्टर ने खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध सतत निगरानी रखने और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विशेष रूप से सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों की गंभीरता से जांच कर गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए हैं।

नए डायरेक्टर के साथ काम करने पर बोले आयुष्मान खुराना

आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'उड़ता तीर' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह एक पाकिस्तानी जासूस बिलाल अहमद के किरदार में नजर आएंगे, जिसे अपनी याद्दाश्त खोने के बाद यकीन होने लगता है कि वह भारतीय है। फिल्म को लेकर उत्साहित आयुष्मान ने कहा कि वह किसी फिल्म को साइन करते समय यह नहीं देखते कि डायरेक्टर पहली फिल्म बना रहा है या दसवीं। उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखती है कहानी और उसे लेकर फिल्ममेकर का विजन।

बता दें कि आयुष्मान अपने करियर में लगातार ऐसी फिल्मों का हिस्सा बने है, जिनमें एंटरटेनमेंट के साथ अलग और मजबूत कहानी भी हो। 'दम लगा के हईशा', 'शुभ मंगल सावधान', 'ड्रीम गर्ल', 'शुभ मंगल ज्यादा सावधान' और 'डॉक्टर जी' जैसी फिल्मों में काम करने के बाद अब वह 'उड़ता तीर' में राइटर आकाश ए. कौशिक के साथ नजर आएंगे। नए डायरेक्टर्स के साथ काम करने को लेकर आयुष्मान ने कहा, ''मेरे लिए स्क्रिप्ट हमेशा सबसे पहले आती है। मैं यह नहीं देखता कि कोई फिल्ममेकर अपनी पहली फिल्म डायरेक्ट कर रहा है या दसवीं। मैं यह देखता हूं कि उनके पास ऐसी कहानी और विजन है या नहीं, जो मुझे आर्कषित कर सके। मेरे करियर में सबसे यादगार अनुभव नए और अलग तरह के लोगों के साथ काम करने से आए हैं।'' उन्होंने कहा, ''नए फिल्ममेकर्स अपने साथ एक अलग तरह की भूख, ताजगी और हिम्मत लेकर आते हैं। उनमें जानी-पहचानी कहानियों को अलग नजरिए से देखने का साहस होता है। मैंने हमेशा माना है कि अगर किसी कहानी के पीछे विश्वास मजबूत है, तो उसे सपोर्ट किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हर नया डायरेक्टर सेट पर एक अलग एनर्जी लेकर आता है। 'उड़ता तीर' में मुझे सिर्फ इसका जॉनर ही अपनी तरफ नहीं खींच रहा था, बल्कि आकाश ने जो दुनिया बनाई थी, वह भी मुझे बहुत पसंद आई। ऐसी स्क्रिप्ट मिलना आसान नहीं है, जो भ्रम, मजेदार, इमोशनल जैसी भावनाओं को एक साथ लेकर आए। साथ ही, जो किसी बड़े विचार से जुड़ी हो।'' आयुष्मान ने कहा, ''मैं आकाश के विजन में पूरी तरह उतरना चाहता था और अपने किरदार को खुद को एक ऐसी जगह ले जाने देना चाहता था, जिसकी मैंने पहले से उम्मीद नहीं की थी। फिल्म की यही अलग दुनिया और किरदार मुझे इस प्रोजेक्ट की तरफ लेकर आई।''

'दृश्यम 3' से डरे आयुष्मान खुराना, टली उड़ता तीर की रिलीज डेट

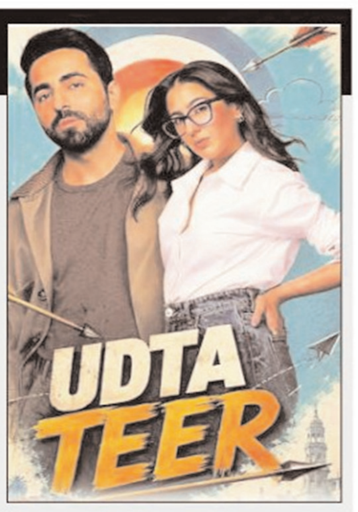

अपकमिंग फिल्म 'उड़ता तीर' अपने ट्रेलर और चल रहे प्रमोशन से काफी चर्चा बटोर रही है। फिल्म को लेकर अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। ऐसे में मेकर्स ने बड़ा फैसला लेते हुए इसकी रिलीज डेट बढ़ा दी है। आइए जानते हैं इसकी क्या वजहें हैं? आपको बता दें कि अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह फिल्म अगले कुछ दिनों तक अच्छा कलेक्शन करेगी। ऐसे में 'उड़ता तीर' के मेकर्स ने समझदारी भरा फैसला लेते हुए फिल्म की रिलीज की तारीख 9 अक्तूबर से आगे बढ़ा दी है। अब यह फिल्म 23 अक्तूबर को रिलीज होगी।

फिल्म 'दृश्यम 3' के अलावा आज सिनेमाघरों में 'प्रेम कीटाणु' भी रिलीज हुई है। 16 अक्तूबर को यामी गौतम की फिल्म 'नई नवेली' रिलीज होने वाली है। वहीं 16 अक्तूबर को राज कुमार राव की 'प्रहार' भी रिलीज होने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मेकर्स ने अक्तूबर के महीने में रिलीज होने वाली फिल्मों का आकलन किया। उन्होंने इस भीड़ से बचने के लिए और 'उड़ता तीर' को ज्यादा स्क्रीन देने के लिए यह बड़ा फैसला लिया। फिल्म में आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही सारा अली खान, गुलशन ग्रोवर, मुकुल देव और राम कपूर भी हैं। फिल्म अब 23 अक्टूबर के वीकेंड पर रिलीज होगी। उम्मीद है कि सिनेमाघरों में रिलीज से पहले इसका और प्रमोशन किया जाए।

बिग बॉस-20 में इमोशनल हुईं माही विज

रियलिटी शो 'बिग बॉस-20' के घर में कंटेस्टेंट माही विज और मैरी कॉम के बीच किचन की राजनीति ने घर का माहौल गरमा दिया है। हाल ही के एपिसोड में माही विज ने अमन गांधी से बात करते हुए यह मुद्दा उठाया कि मैरी कॉम किचन में पक्षपात करती हैं और अपने दोस्तों को ज्यादा खाना देती हैं। इस मुद्दे पर बात करते हुए माही विज काफी इमोशनल नजर आईं। उन्होंने साफ कहा कि उनकी मैरी कॉम से कोई निजी दुश्मनी नहीं है, बस किचन में जो पक्षपात हो रहा है, उससे उन्हें तकलीफ हुई है। अमन से बात करते हुए माही विज ने इस बात को अपने बचपन की यादों से जोड़ा और बताया कि लोअर मिडिल क्लास परिवार से आने की वजह से उन्होंने ऐसी घटनाओं को अलग तरीके से महसूस किया है। उन्होंने कहा, 'मुझे मैरी कॉम से कोई परेशानी नहीं है लेकिन जिस तरह से वह किचन में पक्षपात करती हैं, वह अच्छा नहीं लगता है और मुझे अपने बचपन की याद आने लगती है।' माही ने किचन में हो रहे भेदभाव और राजनीति को लेकर अपनी परेशानी बताते हुए याद किया कि कैसे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति की वजह से उन्हें बचपन में सामाजिक मौकों पर असहज महसूस होता था। उन्होंने कहा कि बचपन के उस दुखद अनुभव के बावजूद, आज भी वह उस रिश्तेदार के बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार रखती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं लोअर मिडिल क्लास फैमिली से हूं, हम बचपन में कभी रेस्टोरेंट नहीं गए थे और बस रिश्तेदारों के साथ ही गए थे। एक बार मेरी बहन ने उनसे कहा कि मुझे कॉर्न सूप पीना है, तो उन्होंने उससे कहा था कि तेरा बाप दे रहा है पैसे? और आज भी मैं उनके बच्चों के साथ अच्छे से पेश आती हूं और आज उन सबमें मैं सबसे ज्यादा कामयाब हूं।' 'बिग बॉस 20' में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े 16 सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स को घर में लाया गया है। शो में एमसी मैरी कॉम, कनिका मान, माही विज, कुशाल तंवर, अमन गांधी, ईशा रिखी, अरिश्फा खान, काजी तौकीर, आसिफ खान, आम्रपाली दुबे, रिति तिवारी, उदिति सिंह, तन्मय सिंह उर्फ स्काउट ओपी, रोहेद खान, यंग डीएसए और लव गिल जैसे नाम शामिल हैं।

प्रियंका चाहर चौधरी ने अंकित गुप्ता के साथ अपने ब्रेकअप पर बात की

टीवी अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी इन दिनों रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल 2' में नजर आ रही हैं। इन सबके बीच अब अभिनेत्री अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में आ गई हैं। दरअसल, कई वर्षों से ऐसी खबरें आती रही कि वह 'उड़ारियां' के को-स्टार अंकित गुप्ता को डेट कर रही थीं, लेकिन पिछले साल दोनों का ब्रेकअप हो गया। अब बालाजी टेलीफिल्म्स के पॉडकास्ट 'ऑनेस्टली व्हाई नॉट' में प्रियंका ने पहली बार अंकित के साथ अपने ब्रेकअप पर खुलकर बात की। उन्होंने यह भी बताया कि वह अंकित से शादी करना चाहेंगी।

उन्होंने पहली बार अपने ब्रेकअप का जिक्र करते हुए कहा, 'यह उसके और मेरे बीच की बात है। कई बार किसी रिश्ते का अच्छा होना सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि दो लोग साथ हैं या नहीं।' बातचीत के दौरान होस्ट ने प्रियंका से पूछा कि अगर अंकित सही लोगों के साथ नहीं हैं, तो उन्हें सही दिशा कौन दिखा सकता है। इस पर 'नागिन 7' की एक्ट्रेस ने कहा, 'कोई भी किसी दूसरे को दिशा नहीं दिखा सकता। हम दोनों काफी समझदार हैं, हमने अपनी जिंदगी खुद बनाई और आगे भी खुद ही बनाएंगे। मैं उनकी जिंदगी में क्या चल रहा है, उसमें नहीं जाना चाहती। हम सभी बड़े हो चुके हैं और जिंदगी देख चुके हैं, इसलिए हमें पता है कि क्या करना है। एक-दूसरे के साथ रहकर उन्हें गाइड करना, मुझे नहीं लगता कि इससे कुछ होगा। वह बहुत अच्छे इंसान हैं।'

ब्रेकअप पर बोलीं प्रियंका

जब प्रियंका से पूछा गया कि क्या उन्हें अंकित से ब्रेकअप करने का अफसोस है और उनके मुताबिक उनकी जिंदगी में कौन सी लड़की उनकी जगह ले सकती है, तो अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे अपनी जिंदगी में किसी भी चीज का अफसोस नहीं है। मैंने जो भी फैसला लिया, वह ठीक है। और मैं कौन होती हूं यह तय करने वाली कि उनकी जिंदगी में कौन सी लड़की मेरी जगह ले सकती है? एक्स को एक्स ही रहने दो।'

जनता की आवाज बन सवाल पूछने निकलीं परिणीति चोपड़ा

परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज 'शक- ट्रस्ट नो वन' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उनकी आगामी फिल्म 'रिपोर्टिंग लाइव' की भी खूब चर्चा है और आज शनिवार को इसका ट्रेलर जारी कर दिया गया है। अभिनेत्री इस बार खनन माफियाओं का पर्दाफाश करने निकली हैं। मगर, मंजिल आसान नहीं है। ट्रेलर की शुरुआत में परिणीति चोपड़ा को दिखाया गया है। पत्रकार के रूप में वे एक अधिकारी का साक्षात्कार करने पहुंची हैं। एक दुर्घटना का जिक्र करती हैं। अधिकारी लापरवाही से कहता है, 'पुराना पुल था। दुर्घटना हो गई। आप रिपोर्टर एक ही चीज को कितनी बार रगड़ोगे'। दूसरा सवाल होता है, इस वक्त आपके जिले में अवैध रेत खनन की क्या स्थिति है? यह सुन अधिकारी चौंक जाता है और कहता है, 'अवैध खनन को रोकने के लिए कानून बनाया है। कोई सवाल ही नहीं है'। परिणीति चोपड़ा एक खोजी पत्रकार के रूप में नजर आई हैं। वे अपनी इन्वेस्टिगेशन पर निकलती हैं। मगर, माफियाओं का खौफ है। रिपोर्टिंग के दौरान उन्हें सतर्क किया जाता है कि कैमरा दिख गया तो मारे जाएंगे। वे चौंकती हैं। रेत के लिए? तब उन्हें बताया जाता है कि 'यह ब्राउन गोल्ड है मैडम। इसे मामूली मत समझिए'। धीरे-धीरे अवैध रेत खनन और माफियाओं की मनमानी को लेकर और परतें खुलती हैं।

कब रिलीज होगी 'रिपोर्टिंग लाइव'

खोजी पत्रकारिता के दौरान खौफ भी है और खतरे भी। मगर, इरादे बुलंद हैं। परिणीति बेखौफ होकर निकल जाती हैं। परिवार से कहती हैं, 'इस बार हार गई तो हमेशा के लिए हार जाऊंगी'। चुनौती कम नहीं होतीं। क्या परिणीति माफियाओं का पर्दाफाश कर पाएंगी या हार जाएंगी? इसका खुलासा फिल्म में होगा। फिलहाल ट्रेलर काफी दिलचस्प है। यह फिल्म 09 अक्तूबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

हॉरर-कॉमेडी से डेब्यू करेंगे यशवर्धन आहूजा

गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा जल्द ही बतौर अभिनेता हिंदी सिनेमा में अपनी पारी शुरू करने जा रहे हैं। उनकी पहली फिल्म ओरिजिनल हॉरर-कॉमेडी है, जिसे साजिद खान करीब एक दशक बाद निर्देशित कर रहे हैं। फिल्म में हॉरर और कॉमेडी के साथ फैमिली ड्रामा भी कहानी का हिस्सा है। फिल्म का निर्माण अमर बुटाला कर रहे हैं और बालाजी इसके स्टूडियो पार्टनर हैं। फिल्म की सेटिंग भी इसके जॉनर की तरह अलग है। कहानी किसी वास्तविक शहर या गांव की लोककथा पर आधारित नहीं है, बल्कि एक काल्पनिक छोटे गांव में घटती है। यहां किसी वास्तविक जगह से जुड़ी मान्यता, किंवदंती या स्थानीय हॉरर स्टोरी को आधार नहीं बनाया गया है। इस लिहाज से फिल्म का सिनेमाई संसार पूरी तरह फिक्शनल है। हॉरर को किसी खास वास्तविक जगह से जोड़ने के बजाय कहानी के किरदारों और उनके पारिवारिक हालात से पैदा किया गया है। इसलिए इसे पारंपरिक लोककथा आधारित हॉरर के बजाय फैमिली-सिचुएशनल हॉरर-कॉमेडी के तौर पर देखा जा सकता है। यशवर्धन फिल्म में एक नौकरीपेशा युवक की भूमिका निभा रहे हैं। उसकी जिंदगी की एक बड़ी समस्या शादी है। शादी नहीं हो पाने की वजह से वह निजी और पारिवारिक दबाव से गुजर रहा है। यही स्थिति कहानी में कॉमेडी और फैमिली ड्रामा की जमीन तैयार करती है। इसके बाद कहानी किस तरह हॉरर की तरफ बढ़ती है, यह फिल्म का सस्पेंस है। साजिद खान की यह फिल्म उनके निर्देशन करियर के लिहाज से कमबैक प्रोजेक्ट है।

'हे बेबी' और 'हाउसफुल' जैसी फिल्मों से कॉमेडी जॉनर में पहचान बनाने वाले साजिद इस बार सिर्फ कॉमेडी पर निर्भर नहीं हैं। उन्होंने हॉरर, कॉमेडी और फैमिली ड्रामा को एक ही कहानी में पिरोया है।

कपिल कौस्तुभ शर्मा की फिल्म ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है के साथ तनिशा मुखर्जी की पर्दे पर वापसी

मुंबई पाँच साल बाद तनिशा मुखर्जी बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं और इस बार उनके साथ है फिल्ममेकर कपिल कौस्तुभ शर्मा की कहानी ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है। मार्गाओ फाइल्स की सफलता के बाद कपिल अब एक ऐसी कहानी लेकर आ रहे हैं, जो पूरी तरह ज़िंदगी के छोटे-बड़े पलों से जुड़ी है और कई दशकों का सफर तय करती है। यह फिल्म दिखाती है कि वक्त के साथ इंसान, रिश्ते और जज़्बात किस तरह बदलते जाते हैं।

मुंबई की पारसी कम्युनिटी की पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म 1990 के दशक से लेकर 2025 तक का सफर तय करती है और इसमें रोमांस, ह्यूमर और इंसानी जज़्बात का खूबसूरत मेल देखने को मिलेगा। फिल्म के सेंटर में हैं तनिशा मुखर्जी, जिनका किरदार ज़िंदगी के अलग-अलग पड़ावों से गुजरता है। कपिल के लिए तनिशा को कास्ट करना सिर्फ किसी जाने-पहचाने चेहरे को दोबारा पर्दे पर लाने की बात नहीं थी, बल्कि ऐसे एक्टर की तलाश थी, जो अलग-अलग उम्र के पड़ावों में इस किरदार को पूरी ईमानदारी के साथ जी सके। तनिशा की वापसी और फिल्म के बारे में बात करते हुए डायरेक्टर कपिल कौस्तुभ शर्मा कहते हैं, तनिशा एक ऐसी एक्टर हैं जिनमें एक खास तरह की इमोशनल क्वालिटी है, जो इस किरदार के लिए बहुत जरूरी थी। कहानी ज़िंदगी के अलग-अलग पड़ावों से होकर गुजरती है और मैं चाहता था कि कोई ऐसा कलाकार हो, जो इस सफर में ईमानदारी और गहराई ला सके। ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है मेरे लिए एक बहुत पर्सनल फिल्म है। यह रिश्तों, बदलते वक्त और आम ज़िंदगी की खूबसूरती के बारे में है और मुझे लगता है कि तनिशा ने इस किरदार में एक बेहद खास संवेदनशीलता लाई है।

फिल्म में कपिल की कोशिश सिर्फ कहानी सुनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि असली माहौल और असली लोकेशन्स को पर्दे पर उतारने की भी है। फिल्म के कई हिस्सों की शूटिंग साउथ मुंबई और दादर पारसी कॉलोनी के ऑथेंटिक पारसी घरों में की गई है। फिल्म को डेवलप करते वक्त कपिल ने पारसी कम्युनिटी के लोगों के साथ भी करीब से काम किया, ताकि फिल्म में उनकी संस्कृति, तौर-तरीके और बोलचाल का अंदाज़ पूरी तरह असली महसूस हो। डिटेलिंग पर यह खास ध्यान कपिल के फिल्ममेकिंग अप्रोच का हिस्सा रहा है। अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो से अपने डेब्यू से लेकर डन्नो वाय ना जाने क्यों, डन्नो वाय 2... लाइफ इज़ अ मोमेंट और लव इज़ लव जैसी फिल्मों तक, कपिल ने अलग-अलग विषयों और फॉर्मेट्स में कहानियां कही हैं। लेकिन उनकी कहानियों में इंसानी रिश्ते हमेशा एक अहम हिस्सा रहे हैं। ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है में कपिल ने कई जिम्मेदारियां अपने कंधों पर ली हैं। फिल्म को लिखने और डायरेक्ट करने के साथ-साथ वह इसे प्रोड्यूस भी कर रहे हैं और इसमें एक्टिंग भी कर रहे हैं। वह फिल्म में एक पारसी किरदार निभा रहे हैं, जिसका सफर अलग-अलग उम्र के पड़ावों से होकर गुजरता है। इसी वजह से कहानी के बड़े उम्र वाले हिस्सों के लिए उन्हें फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से भी गुजरना पड़ा है।

नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत की पहचान : युवाओं ने लिया नशामुक्त समाज निर्माण का संकल्प

नशा मुक्त युवा संवाद मेला

रायपुर जनता के गोठ । विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए गुरुकुल महिला महाविद्यालय, कालीबाड़ी रोड, रायपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई द्वारा ÷नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत÷ विषय पर नशा मुक्त युवा संवाद मेला का आयोजन चंगोराभाठा के सांस्कृतिक भवन जो कि एडॉप्टेट स्लम एरिया में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा नशामुक्त परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था।

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ किए गए 'विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा संकल्प अभियान' के संदर्भ में आयोजित इस कार्यक्रम में नशामुक्त भारत के निर्माण हेतु युवाओं की जिम्मेदारी पर विशेष जोर दिया गया। यह 100-सप्ताह का राष्ट्रव्यापी अभियान रोकथाम (Prevent), सुरक्षा (Protect), पुनर्वास (Recover) एवं नेतृत्व (Lead) जैसे चार प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से इस अभियान को शैक्षणिक परिसरों तथा अंगीकृत गांवों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। हस्स का आदर्श वाक्य ÷स्वयं से पहले आप÷ (Not Me, But You) समाजसेवा एवं सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रेरित करता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य एवं नशामुक्त समाज की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर, लाखे नगर मंडल अध्यक्ष श्री सचिन सिंघल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से डॉ. सृष्टि यदु, पार्षद ,दुर्गा याद राम साहू अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समाज कल्याण विभाग से कला प्रथक दल से संतोष

चंद्राकर,मुख्य कला। प्रथक प्रमुख, रमेश ठाकुर कला प्रथक सहायक, संदीप कुलदीप , परमात्मा वस्त्रकार कल प्रथक सहायक उपस्थित रहे।

जिला संगठक एवं कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रात्रि लहरी ने स्वागत उद्बोधन में सभी अतिथियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि नशा आज युवाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार और सामाजिक जीवन के लिए एक गंभीर चुनौती है। इस चुनौती का सामना केवल कानून से नहीं, बल्कि जागरूकता, सकारात्मक संवाद, पारिवारिक सहयोग और सामुदायिक सहभागिता से किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने, अपने साथियों को जागरूक करने तथा नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।और बताया कि शपथ, नुक्कड़ नाटक, हस्ताक्षर अभियान,संगीत युवा संवाद द्वारा जागरूक करेंगे।

डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर, प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट

डॉ. चंद्राकर ने युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति सचेत करते हुए कानून एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नशे की लत व्यक्ति के साथ-साथ उसके परिवार और समाज को भी प्रभावित करती है। युवाओं को कानून का सम्मान करते हुए अनुशासित जीवन अपनाना चाहिए। उन्होंने नशामुक्त समाज के निर्माण में जागरूक नागरिकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

सचिन सिंघल, मंडल अध्यक्ष, लाखे नगर, रायपुर

सिंघल ने कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण जनभागीदारी और सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। युवाओं को खेल, शिक्षा, रचनात्मक गतिविधियों और सामाजिक सेवा से जुड़कर अपनी ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करना चाहिए। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग से नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलाने की अपील की। उन्होंने युवाओं को विकसित भारत के निर्माण में जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. सृष्टि यदु, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय

डॉ. यदु ने नशे के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि नशे की आदत शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। उन्होंने युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नशे से दूर रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सकीय सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने नशे की समस्या से जूझ रहे व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील व्यवहार और उचित उपचार के महत्व पर भी जोर दिया।

मारकंडी नदी घाट और प्राकृतिक जलकुंड की सफाई में जुटे वन मंत्री केदार कश्यप

सेवा संकल्प अभियान के तहत चपका में जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने किया श्रमदान, जलस्रोतों को स्वच्छ रखने का लिया संकल्प

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ

जगदलपुर, । सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत चपका स्थित ऐतिहासिक मंदिर परिसर के समीप मारकंडी नदी घाट और प्राकृतिक जलकुंड में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। छत्तीसगढ़ शासन के वन मंत्री केदार कश्यप के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मंत्री केदार कश्यप ने स्वयं झाड़ू और सफाई उपकरण हाथ में लेकर सफाई की तथा प्राकृतिक जलस्रोतों के संरक्षण और स्वच्छता का संदेश दिया।

अभियान में जिला पंचायत बस्तर की अध्यक्ष वेदवती कश्यप, जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष दिनेश कश्यप, जनपद पंचायत बस्तर के अध्यक्ष संतोष बघेल और जिला पंचायत सदस्य निर्देश दीवान ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। जनप्रतिनिधियों ने नदी घाट पर उतरकर श्रमदान किया और ग्रामीणों के साथ मिलकर स्वच्छता कार्य में योगदान दिया।

नदी घाट और मंदिर परिसर को किया स्वच्छ

स्वच्छता अभियान के दौरान मारकंडी नदी के तट, प्राकृतिक जलकुंड और मंदिर परिसर के आसपास फैले कचरे, प्लास्टिक तथा अन्य अपशिष्ट को हटाया गया। सामूहिक प्रयास से धार्मिक एवं प्राकृतिक महत्व वाले इस स्थल की सफाई कर उसे स्वच्छ स्वरूप देने का प्रयास किया गया कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि धार्मिक स्थलों, नदियों और प्राकृतिक जलस्रोतों को स्वच्छ रखना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है

उन्होंने जलस्रोतों को प्रदूषण से बचाने, प्लास्टिक कचरे का उचित निपटान करने और आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए लोगों को जागरूक रहने की आवश्यकता पर जोर दिया

कार्यक्रम में विकास विस्तार अधिकारी चंद्रशेखर जैन, ग्राम पंचायत चपका की सरपंच पीलीबाई कश्यप, पंचायत सचिव, स्वच्छ भारत मिशन की टीम और बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण शामिल हुए। सभी ने मिलकर श्रमदान किया और क्षेत्र के प्राकृतिक जलस्रोतों को स्वच्छ एवं निर्मल बनाए रखने का संकल्प लिया

सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने सामूहिक सहभागिता का संदेश देते हुए प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने की अपील की।

बाढ़ प्रभावित 13 पंचायतों के किसानों को प्रति एकड़ 50 हजार मुआवजा देने की मांग

नगरनार ब्लॉक कांग्रेस ने एनएमडीसी प्रबंधन को सौंपा ज्ञापन, फसल क्षति सर्वेक्षण, कृषि सहायता और स्थायी बाढ़ नियंत्रण व्यवस्था की उठाई मांग

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ

जगदलपुर/नगरनार। भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित नगरनार क्षेत्र की 13 ग्राम पंचायतों के किसानों एवं ग्रामीण परिवारों की समस्याओं को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नगरनार ने एनएमडीसी प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा है ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संतोष सेठिया के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत, उचित मुआवजा और कृषि सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि बाढ़ से हुए नुकसान के बाद किसानों को दोबारा खेती शुरू करने के लिए आर्थिक सहयोग और ठोस राहत उपायों की आवश्यकता है।

क्षेत्र में हाल ही में हुई भारी बारिश एवं बाढ़ के कारण किसानों की फसलें और कृषि भूमि प्रभावित हुई हैं। इससे ग्रामीण परिवारों के सामने आर्थिक संकट गहरा गया है। खेतों में फसल बर्बाद होने, कृषि भूमि में कटाव और मिट्टी के नुकसान के कारण किसानों के लिए आगामी फसल की तैयारी करना चुनौतीपूर्ण हो गया है। कृषि पर निर्भर परिवारों की आजीविका प्रभावित होने से उन्हें बीज, खाद और अन्य जरूरी संसाधनों की व्यवस्था करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रति एकड़ 50 हजार रुपये सहायता की मांग

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने एनएमडीसी प्रबंधन के समक्ष सात प्रमुख मांगें रखीं कांग्रेस ने बाढ़ प्रभावित 13 ग्राम पंचायतों के किसानों को प्रति एकड़ 50 हजार रुपये की तत्काल आर्थिक सहायता देने की मांग की, ताकि किसान अपनी आर्थिक स्थिति संभाल सकें और आगामी कृषि कार्य शुरू कर सकें। इसके साथ ही प्रभावित किसानों की फसलों और कृषि भूमि को हुए नुकसान का निष्पक्ष एवं पारदर्शी सर्वेक्षण कराकर वास्तविक क्षति के आधार पर उचित मुआवजा देने की मांग उठाई गई।

ज्ञापन में कहा गया कि बाढ़ के कारण जिन खेतों में कटाव हुआ है या मिट्टी बह गई है, वहां कृषि भूमि को दोबारा खेती योग्य बनाने के लिए सुधार एवं मरम्मत कार्य कराए जाएं। कांग्रेस ने एनएमडीसी प्रबंधन से इस दिशा में आवश्यक सहयोग देने की मांग की, ताकि किसानों को भविष्य में कृषि कार्य करने में परेशानी न हो।

बीज-खाद और सीएसआर से राहत पैकेज की मांग कांग्रेस ने प्रभावित किसानों को आगामी फसल के लिए बीज, खाद और अन्य आवश्यक कृषि सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था करने की मांग भी की। इसके अलावा बाढ़ से प्रभावित जरूरतमंद ग्रामीण परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए एनमडीसी की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) मद से विशेष राहत पैकेज घोषित करने की मांग रखी गई। ज्ञापन में भविष्य में बाढ़ से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए स्थायी बाढ़ नियंत्रण व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया गया। इसके अंतर्गत नालों की सफाई, जल निकासी व्यवस्था में सुधार, जल प्रवाह को सुचारु बनाने और आवश्यक बाढ़-रोधी निर्माण कार्यों को प्राथमिकता देने की मांग की गई। साथ ही प्रभावित 13 ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधियों और किसानों के प्रतिनिधियों के साथ एनएमडीसी प्रबंधन की तत्काल बैठक आयोजित कर समस्याओं के समाधान के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने की मांग भी शामिल है।

केवल आश्वासन नहीं, ठोस कार्रवाई जरूरी : संतोष सेठिया

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नगरनार के अध्यक्ष संतोष सेठिया ने कहा कि प्राकृतिक आपदा से किसानों और ग्रामीण परिवारों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए केवल आश्वासन पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय पर ठोस कार्रवाई जरूरी है। किसानों की आजीविका कृषि पर निर्भर है और फसलों के नुकसान का सीधा असर उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति पर पड़ता है। ऐसे में प्रभावित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता देने के साथ भविष्य में बाढ़ से बचाव के लिए स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एनएमडीसी प्रबंधन से ज्ञापन में रखी गई मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने और प्रभावित किसानों एवं ग्रामीण परिवारों को राहत उपलब्ध कराने की अपील की ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला उपाध्यक्ष लेखन बघेल, अमित पांडे, दयाराम कश्यप, बलराम कोकोड्डू, विजय बिसाई, इंदु बघेल, संजय नाग, मुकुंद नेताम सहित अन्य कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जेएनयू यौन उत्पीड़न मामला: 10 अक्टूबर को रायपुर में कांग्रेस कार्यालय का घेराव करेगी भाजपा महिला मोर्चा

तरुण बन्छोर- जनता के गोठ रायपुर। मणिपुर से कांग्रेस सांसद डॉ. अंगोमचा बिमोल अकोइजम पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (छ्ह) की छात्राओं द्वारा लगाए गए यौन दुर्व्यवहार के आरोपों को लेकर छत्तीसगढ़ में सियासी पारा चढ़ गया है। इस मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए 10 अक्टूबर को राजधानी रायपुर में राज्यव्यापी धरना-प्रदर्शन और कांग्रेस प्रदेश कार्यालय के घेराव का ऐलान किया है।

शंकर नगर बीटी ग्राउंड में जुटेगी भीड़* महिला मोर्चा का यह प्रदर्शन 10 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे रायपुर के शंकर नगर स्थित बीटी ग्राउंड में आयोजित होगा। प्रदर्शन को ऐतिहासिक और प्रभावी बनाने के लिए संगठन ने प्रदेशभर की महिला कार्यकर्ताओं को रायपुर पहुंचने का निर्देश जारी किया है। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी के नेतृत्व में संगठन को सक्रिय कर दिया गया है। प्रदेश महामंत्री शीतल नायक और फुलेश्वरी पैकरा ने सभी संभाग प्रभारियों, जिला अध्यक्षों, जिला महामंत्रियों, सांसदों, विधायकों और त्रिस्तरीय पंचायतों व स्थानीय निकायों की निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों को अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा है।

राहुल गांधी पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप- भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी ने कांग्रेस नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, ÷एक तरफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी देश में पितृसत्ता खत्म करने और महिला अधिकारों की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात के लिए पेंशनर्स महासंघ ने मांगा समय

रायपुर। केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के आगामी 12 अक्टूबर 2026 को रायपुर प्रवास के दौरान भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ, छत्तीसगढ़ प्रदेश ने उनसे मुलाकात कर वरिष्ठ नागरिकों एवं पेंशनरों की रेल यात्रा संबंधी समस्याओं तथा रेल सुविधाओं में सुधार के लिए ज्ञापन सौंपने की पहल की है। महासंघ की ओर से रेल मंत्री के नई दिल्ली स्थित कार्यालय, कलेक्टर रायपुर तथा एडीआरएम, रायपुर को ई-मेल भेजकर मुलाकात के लिए समय देने का अनुरोध किया गया है।

भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री एवं छत्तीसगढ़ प्रदेशाध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने बताया कि देश के वरिष्ठ नागरिकों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं पेंशनरों को रेल यात्रा के दौरान अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। बढ़ती उम्र, शारीरिक अस्वस्थता, चलने-फिरने में परेशानी तथा सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण रेल यात्रा को सुविधाजनक, सुरक्षित और किफायती बनाना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से रेल मंत्री को 12 सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर वरिष्ठ यात्रियों के हित में आवश्यक निर्णय लेने तथा रेलवे प्रशासन को उचित निर्देश जारी करने का आग्रह किया जाएगा।

वरिष्ठ नागरिकों की रेल किराया रियायत बहाल करने की मांग

नामदेव ने बताया कि ज्ञापन में कोरोना काल से पूर्व प्रचलित वरिष्ठ नागरिक रेल किराया रियायत को पुनः बहाल करने की प्रमुख मांग की गई है। महासंघ ने पूर्व व्यवस्था के अनुसार पात्र पुरुष वरिष्ठ नागरिकों को 40 प्रतिशत तथा महिलाओं को 50 प्रतिशत किराया रियायत देने पर विचार करने का आग्रह किया है। महासंघ का कहना है कि अनेक पेंशनरों की आय सीमित होती है और उन्हें चिकित्सा, धार्मिक यात्रा, पारिवारिक दायित्वों तथा अन्य आवश्यक कार्यों के लिए रेल से सफर करना पड़ता है। ऐसे में किराया रियायत की बहाली उन्हें आर्थिक राहत प्रदान कर सकती है।

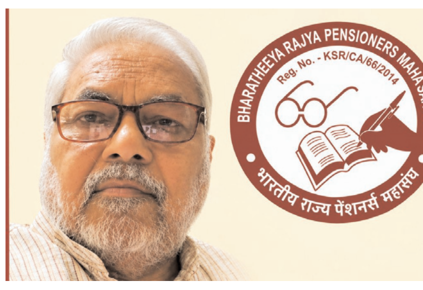

लोअर बर्थ और व्हीलचेयर की पर्याप्त व्यवस्था हो

ज्ञापन में वरिष्ठ नागरिकों, विशेषकर 75 वर्ष से अधिक आयु के यात्रियों तथा चलने-फिरने में असमर्थ व्यक्तियों को लोअर बर्थ प्राथमिकता से उपलब्ध कराने की व्यवस्था प्रभावी बनाने की मांग की गई है। रेलवे स्टेशनों पर वृद्ध एवं अस्वस्थ यात्रियों को प्रवेश द्वार से प्लेटफॉर्म और वहां से ट्रेन के कोच तक पहुंचाने के लिए निःशुल्क व्हीलचेयर तथा पर्याप्त सहायता कर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का आग्रह भी किया गया है।

इसके साथ ही प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग टिकट काउंटर अथवा प्राथमिकता सेवा शुरू करने की मांग की गई है, जिससे उन्हें लंबी कतारों में खड़े रहने की परेशानी से राहत मिल सके।

स्टेशनों पर बुनियादी सुविधाओं और चिकित्सा सहायता में सुधार हो

महासंघ ने रेलवे स्टेशनों को वरिष्ठ नागरिकों के अनुकूल बनाने के लिए लिफ्ट, एस्केलेटर, रैंप, पर्याप्त बैठने की व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय और पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की है। प्रमुख स्टेशनों पर प्राथमिक चिकित्सा कक्ष, आपातकालीन स्वास्थ्य सहायता तथा आवश्यकता पड़ने पर एम्बुलेंस की व्यवस्था उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया है। अकेले यात्रा करने वाले वरिष्ठ नागरिकों को प्लेटफॉर्म बदलने, ट्रेन में चढ़ने-उतरने और कनेक्टिंग ट्रेन पकड़ने में आवश्यक सहायता देने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है। रेल यात्रा के दौरान वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा, उनकी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई तथा जरूरत के अनुसार सहायता उपलब्ध कराने की प्रभावी व्यवस्था विकसित करने का आग्रह किया जाएगा।

पाटन कॉलेज में रक्तदान शिविर आयोजित

पाटन। शासकीय चंदूलाल चंद्राकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय पाटन में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा के मार्गदर्शन व दिशा निर्देशन में यूथ रेड क्रॉस सोसायटी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के सयुंक्त तत्वाधान में, रेड क्रॉस ब्लड बैंक डीकेएस हॉस्पिटल परिसर रायपुर के डाक्टर्स एवं लैब टेक्निशियन के सहयोग से एकदिवसीय विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारम्भ, डॉ आर के वर्मा, संयोजक डीके भारद्वाज प्रभारी प्रभारी यूथ रेड क्रास, सह संयोजक डॉ एस के भारती कार्यक्रम अधिकारी रासेयों, क्रीड़ा धिकारी डॉ दिनेश नामदेव, अतिथि व्याख्याता चंद्रशेखर देवांगन एवं अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर किया गया।

महाविद्यालय यूथ रेड क्रॉस सोसायटी व कार्यक्रम संयोजक डीके भारद्वाज, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ एस के भारती व स्टाफ स्टाफ मेंबर ने रेड क्रास ब्लड बैंक से पधारे अतिथि गण कमलदास मानिकपुरी, कुंजिका लता टंडन, नंदकिशोर, चुलु राज यादव, एवं एचडी एफ सी बैंक से पधारे नीरज साहू को गुलदस्ता भेंट

कर स्वागत किया। कार्यक्रम संयोजक डी के भारद्वाज ने अपने उद्बोधन में रक्तदान कार्यक्रम के उद्देश्यों का महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा की हमारे द्वारा किये गए रक्तदान से जरूरतमंद के जीवन को बचाया जा सकता है, साथ ही रक्तदान पश्चात अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन युक्त पौष्टिक आहार लेने की बात कही। डॉ दिनेश नामदेव ने कहा कि हम सभी समाजिक प्राणी है और प्रकृति ने हम सभी को जीवन जीने का अधिकार दिया है जीवन की रक्षा के लिए रक्तदान करना हम सभी का सामाजिक दायित्व है। एच डी एफ सी बैंक सुंदर नगर रायपुर ब्रांच के प्रतिनिधि नीरज कुमार द्वारा रिफ्रेशमेंट एवं रक्तदाताओं को गिफ्ट प्रदान कर सम्मनित किया गया। इस शिविर में महाविद्यालय के छात्र छात्राएं सहायक प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं गणमान्य नागरिकों ने बढ़ चढ़कर रक्तदान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में यूथ रेड क्रॉस के वालेंटियर कु दामिनी, निधि,इशिता, प्रिया,मुस्कान,सारिका युवाशी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के मनीषा,प्रेरणा, भूपेश इत्यादि का भरपूर सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में एचडीएफसी बैंक की ओर से महाविद्यालय को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। आभार प्रदर्शन डॉ आरके वर्मा द्वारा किया गया।

बदलता बस्तर -माओवाद के साये से निकलकर विकास, स्वरोजगार और समृद्धि की ओर अग्रसर नया बस्तर

कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने सहकार सम्मलेन में देश भर से आए अधिकारियों के सामने रखा बदलते बस्तर का खाका

भुजबल बघेल

बकावंड जनता के गोठ/ सहकार से समृद्धि राष्ट्रीय समीक्षा सम्मेलन के मंच से बस्तर कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने बदलतें बस्तर की प्रेरक प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि दशकों तक वामपंथी उग्रवाद और संघर्ष की छाया में पहचान तलाशने वाला बस्तर अब शांति, आधुनिक कनेक्टिविटी और स्थानीय संपदा के दम पर एक सशक्त आर्थिक केंद्र के रूप में अपनी नई पहचान गढ़ रहा है।

कलेक्टर ने अपनी प्रस्तुति में अवगत कराया कि बस्तर के विकास की पहली प्राथमिकता सुदूर अंचलों तक कनेक्टिविटी और बुनियादी सुविधाओं की सुदृढ़ पहुंच बनाना है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना चरण-4 के माध्यम से सैकड़ों किलोमीटर सड़कों का निर्माण और स्वीकृति, जगदलपुर-रायपुर फोर-लेन मार्ग और रावघाट-जगदलपुर रेल परियोजना जैसे प्रयास बस्तर को मुख्यधारा से तेजी से जोड़ रहे हैं। इसके साथ ही हैदराबाद व रायपुर तक हवाई सेवाएं और दुर्गम जंगलों में स्थापित किए जा रहे बीएसएनएल के फोर-जी टावर डिजिटल व भौगोलिक दूरियों को तेजी से मिटा रहे हैं।

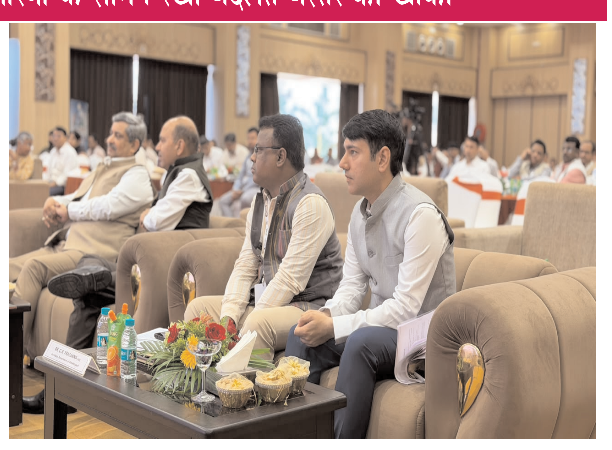

बस्तर के इस

ऐतिहासिक बदलाव की सबसे अनूठी मिसाल सुरक्षा और आजीविका का समागम है। पूर्व में सुरक्षा बलों द्वारा उपयोग किए जाने वाले कैंपों को अब सेवा डेरा यानी आजीविका व कौशल विकास केंद्रों में बदला जा रहा है, जिन्हें एनआईडी अहमदाबाद के सहयोग से पूरे संभाग में आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है। स्थानीय युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए थिंक-बी और आईआईएम कलकत्ता के साथ मिलकर स्टार्टअप संस्कृति को पंख दिए जा रहे हैं, जबकि बस्तर क्रिएटर्स हब पोडकास्ट स्टूडियो से युवा डिजिटल कंटेंट क्रिएशन और व्लॉगिंग की दुनिया में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं।

स्थानीय अर्थव्यवस्था

को मजबूती देने के लिए वनोपज और पारंपरिक शिल्प कलाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। ढोकरा शिल्प, लौह शिल्प और टेराकोटा जैसे जीआई-टैग प्राप्त शिल्प कलाओं को लोका बाजार के जरिए राष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराया जा रहा है, जबकि बस्तर कॉफी, महुआ, काजू और इमली के प्रसंस्करण और ब्रांडिंग से महिला स्व-सहायता समूहों की आय में अभूतपूर्व वृद्धि हो रही है। इसके अलावा, ढोढरापाल बांस राफ्टिंग, चित्रकोट का ग्लास स्काईवॉक और 150 से अधिक ग्रामीण होम-स्टे इको व ट्राइबल टूरिज्म को एक नई ऊंचाई प्रदान कर रहे हैं।

प्रशासन का संकल्प

बस्तर मुन्ने (अग्रणी बस्तर) अभियान के जरिए अंतिम छोर तक जनकल्याणकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाना है। राशन, पेंशन, मातृत्व लाभ और आयुष्मान भारत कार्ड के माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा को 94 प्रतिशत से अधिक परिवारों तक पहुंचाया जा चुका है। अपनी प्रस्तुति का समापन करते हुए कलेक्टर ने सभी हितधारकों और राष्ट्रीय संस्थानों से बस्तर की इस विकास यात्रा में साझीदार बनने का आह्वान किया और कहा कि अब चुनौती केवल शांति बहाल करने की नहीं, बल्कि उस शांति को स्थायी समृद्धि में बदलकर बस्तर को देश का अग्रणी, स्वावलंबी और गौरवशाली जिला बनाने की है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-शुभम वर्मा द्वारा मकान नंबर 411, देवनगर, आदिवासी छात्रावास के सामने, शिव शंकर होटल के पीछे महादेव घाट रायपुरा, रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित। (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोनः-9300870270, 9425520408 jantakegoth@gmail.com